संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 248
पृष्ठ 8
शुक्रवार
30 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- छुट्टियों में मोरिजम बीच के नजदीक...

विचार- शराब पीने की रफ्तार गिरने लगी

खेल- प्लेऑफ में जब-जब कोहली ने...

भूमि सुधार और हदबंदी कानून के लिए चौ चरण सिंह को याद करता है देश : योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने विधानभवन परिसर के समक्ष किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। चौधरी साहब ने शासन की शुचिता के लिए कई कदम उठाये, उसकी गूंज पूरे समाज में सुनायी देती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा कि पूरा देश चौधरी साहब को भूमि सुधार, हदबंदी कानून को लागू करने, ग्रामीण विकास और अन्नदाता किसानों के मसीहा के रूप में याद करता है। यह उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि

● किसानों के मसीहा के रूप में याद किये जाते चौधरी साहब

● मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि

चौधरी साहब का सानिध्य उत्तर प्रदेश वासियों को एक लंबे समय तक प्राप्त हुआ। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश में भूमि सुधार, ग्रामीण विकास संबंधित शासन की शुचिता और पारदर्शिता को लेकर अनेक कदम उठाए, जिसकी गूंज आज भी हमारे गांव में किसानों से लेकर समाज के प्रत्येक तबके में सुनने को मिलती है। उन्होंने प्रधानमंत्री, उप प्रधानमंत्री, गृह और वित्त मंत्रालय के दायित्व को भी बखूबी निभाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 वर्षों से चौधरी चरण सिंह के सपनों को साकार करने के लिए ग्रामीण विकास और अन्नदाता किसानों के उत्थान के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। सीएम योगी ने अंत में कहा कि चौधरी साहब की स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जयवीर सिंह, मेयर सुषमा खर्कवाल और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ट्वीट पर लिखा कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव के खेत एवं खलिहानों से होकर जाता है। चौधरी चरण सिंह समृद्ध गांव और सशक्त किसान के लिए आजीवन समर्पित रहे। उन्होंने उन्हे वंचितों के उत्थान, किसानों के कल्याण और ग्रामीण भारत की प्रगति के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करते रहे। डबल इंजन की सरकार उनके दिखाये मार्ग पर सतत आगे बढ़ रही है।

गरीब, किसान, नारी, नौजवान विकसित भारत के चार स्तंभ: मोदी

गंगटोक, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को यहां कहा कि विकसित भारत का निर्माण गरीब, किसान, नारी और नौजवान – इन चार स्तंभों पर खड़ा होगा तथा सरकार देशभर में इन्हें मजबूत करने में लगी है। श्री मोदी सिक्किम राज्य के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सिक्किम 16 मई को अपना स्थापना दिवस मनाता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए हर राज्य का विकास जरूरी है। हर राज्य की अपनी विशेषताएं हैं। हमने पूर्वोत्तर क्षेत्र को विकास के केन्द्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सिक्किम में विकास की कई परियोजनाओं का शिलान्यास तथा उद्घाटन किया और कहा कि सिक्किम पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास की एक चमकती गाथा बन रहा है। उन्होंने कहा कि सिक्किम में पिछले एक दशक से बड़े परिवर्तन हो रहे हैं, जिसका यहां के लोग अनुभव कर रहे हैं। दस वर्षों में इस क्षेत्र में सम्पर्क सुविधाओं का विकास हुआ है। राज्य में 400 किलोमीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण हुआ है और सैंकड़ों किलोमीटर लम्बी ग्रामीण सड़कें बनायी गयी हैं। उन्होंने कहा कि अटल सेतु बनने से भी सिक्किम का सम्पर्क बढ़ा है तथा गंगटोक और बागडोगरा के बीच आवागमन में आसानी हुयी है। श्री मोदी ने सिक्किम के किसानों की प्रशंसा करते हुये कहा कि यह राज्य जैविक खेती में देश में अग्रणी स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य से जैविक मिर्च की पहली खेप मार्च में विदेश भेजी गयी है और भविष्य में ऐसे अनेक उत्पाद हैं जो विदेश भेजे जायेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में सिक्किम दुनिया में अपने जैविक तरीके से तैयार मछलियों के लिए भी जाना जायेगा। राज्य में सोरेंग जिले में केन्द्र सरकार के सहयोग से जैविक मत्स्य पालन संकुल का विकास किया जा रहा है और दुनिया में जैविक तरीके से उत्पादित मछलियों की बहुत अधिक मांग है।

तेलंगाना के अधिकारी को एसीबी ने 25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के हैदराबाद में एक राजस्व निरीक्षक (आरआई) ने कथित तौर पर एक व्यक्ति से पारिवारिक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए 1 लाख रुपये की मांग की। पीड़ित की शिकायत के आधार पर, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने छापा मारा और मुशीराबाद में तहसीलदार के कार्यालय में भूपाल महेश, आरआई को आंशिक भुगतान के रूप में 25,000 रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। मामले की जांच अभी चल रही है और आरोपी को हैदराबाद के नामपल्ली में स्थित हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायालय में विशेष पुलिस स्थापना (एसपीई) और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश होना है। इसी तरह के एक मामले में 11 मई, 2025 को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हैदराबाद के आयकर आयुक्त (छूट) जीवन लाल लाविडिया और चार अन्य को 70 लाख रुपये की रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारियाँ एक जालसाजी अभियान के बाद हुईं, जिसमें एक बिचौलिए को कर अपील का निपटारा करने के लिए लाविडिया की ओर से रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। मुंबई, हैदराबाद, खम्मम (तेलंगाना में), विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश में) और नई दिल्ली में 18 स्थानों पर एक साथ की गई तलाशी में 69 लाख रुपये नकद और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। इसके भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को कहा कि उसने एक दिन पहले 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए एक सरकारी अधिकारी के आवास से 13 लाख रुपये से अधिक नकद, 500 ग्राम से अधिक सोना और 3.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

हमारे सांसद घूम रहे हैं, आतंकवादी भी... जयराम रमेश का विवादित बयान, भाजपा ने किया पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को पहलगाम हमले के पीछे के आतंकवादियों और वैश्विक मंच पर भारत के आतंकवाद विरोधी संदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसदों के बीच तुलना करके विवाद खड़ा कर दिया। कांग्रेस नेता की टिप्पणी के बाद, भाजपा ने बिना समय गंवाए तीखी आलोचना करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने सबसे घृणित तुलना की है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे के आतंकवादी चार अन्य हमलों में शामिल थे और आज खुलेआम घूम रहे हैं। इसके बाद उन्होंने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए चुने गए सांसदों की तुलना आतंकवादियों से करते हुए कहा कि हमारे सांसद और आतंकवादी दोनों ही खुलेआम घूम रहे हैं। जयराम रमेश ने एएनआई से कहा कि सुनने में आ रहा है कि 25 और 26 जून को विशेष सत्र बुलाया जा सकता है क्योंकि यह आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ है। हमारे देश में 2014 से अघोषित आपातकाल लागू है। वह 50 साल पहले जो हुआ उसके लिए विशेष सत्र बुलाना चाहते हैं? आज के सवालों से ध्यान हटाने के लिए वे इस बारे में बात कर रहे हैं। हम आरएसएस की भूमिका को भी उजागर करेंगे, हम हकीकत को पूरे देश के सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि पहलगाम के ये आतंकवादी चार हमलों में शामिल थे और फिर भी वे इधर–उधर घूम रहे हैं। हमारे सांसद घूम रहे हैं और आतंकवादी भी घूम रहे हैं। हम ये सवाल गंभीरता से पूछ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि वे इन सवालों का जवाब नहीं देते हैं। भाजपा केवल कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाती है। उनका हमला कांग्रेस पार्टी पर है, आतंकवादियों पर होना चाहिए।

विदेश में गांधी–नेहरू–पटेल की छवि दिखेगी, मोदी–शाह की नहीं : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि विदेश में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की छवि प्रस्तुत की जा रही है, लेकिन सच यह है कि दुनिया भारत को मोदी–शाह नहीं बल्कि गांधी–नेहरू–पटेल के रूप में जानती है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में गुरुवार को कहा कि भारत की छवि को विदेशों में श्री मोदी के छवि के रूप में पहचाने जाने की प्रयोगशाला बनाया जा रहा है, लेकिन भारत की पहचान दुनिया में महात्मा

गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल के रूप में जानी जाती है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, "अपनी छवि को वैध बनाने के लिए आप कर्नल सोफिया कुरैशी को लाएंगे, उनके परिवार से आप पर फूल बरसवाएंगे, लेकिन आप कर्नल सोफिया कुरैशी का अपमान करने वाले अपने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगे। आप आईएएस अधिकारी फौजिया तरन्नुम का अपमान करने वाले अपने एमएलसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगे।" प्रवक्ता ने कहा, "विदेश में इस देश को अगर मोदी–शाह के देश के रूप में दिखाओगे तो कोई इज़्ज़त नहीं मिलेगी। विदेश में गांधी–नेहरू–पटेल का भारत ही दिखाना पड़ेगा। देश में पहलू ख़ान, अख़लाक़, तबरेज़, जुनैद करते रहोगे तो विदेश में भेजने के लिए मुस्लिम सांसद भी उधार लेने पड़ेंगे। हिंदुस्तान एक व्यक्ति की छवि की प्रयोगशाला नहीं है। यह देश 140 करोड़ लोगों की साँझी विरासत है।"

मेहनकश गिग श्रमिकों को कांग्रेस सरकारें दे रही है न्याय : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि गिग श्रमिकों की समस्या का निदान कांग्रेस की प्राथमिकता है और इसके लिए

सभी कांग्रेस शासित राज्यों में कानून बनाए जा रहे हैं। श्री गांधी ने गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा, "रेटिंग नहीं, हक़ चाहिए, इंसान हैं हम, गुलाम नहीं–भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जब मैं गिग वर्कर्स से मिला, तो ये शब्द मेरे दिल में उतर गए। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है, एक ऐसा अध्यादेश लाया है जो गिग वर्कर्स को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान देता है। ये वर्कर्स दिन–रात हमारे लिए खाना, ज़रूरी सामान और सेवाएं पहुंचाते हैं, गर्मी, सर्दी और बारिश तक की परवाह नहीं करते, लेकिन अक्सर उन्हें बिना किसी वजह ऐप से हटा दिया जाता है, बीमार होने पर छुट्टी नहीं मिलती और उनकी मेहनत की कमाई गुप्त तरीके से तय होती है।" उन्होंने कहा है कि अब यह अन्याय खत्म होगा। इस नए कानून से सुनिश्चित होगी सामाजिक सुरक्षा, न्यायसंगत कॉन्ट्रैक्ट, वेतन निर्धारण में पारदर्शिता, मनमानी ऐप ब्लॉकिंग का अंत, तकनीकी से तरक्की भी होनी चाहिए और इंसाफ़ भी मिलना चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, "राजस्थान ने शुरुआत की।,कर्नाटक ने रास्ता दिखाया, अब तेलंगाना की बारी है। गिग और प्लेटफ़ॉर्म आधारित काम से नए अवसर बन रहे हैं और कामकाज के रिश्तों में बड़ा बदलाव आ रहा है।

पांचवीं पीढ़ी का स्वदेशी लड़ाकू विमान भारतीय एयरोस्पेस क्षेत्र को देगा नयी ऊंचाई : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत में इंजीनियरिंग, उच्च परिशुद्धता विनिर्माण और भविष्य की तकनीकों के लिए विकास केंद्र बनने की स्वदेशी क्षमता को रेखांकित करते हुये पांचवीं पीढ़ी के युद्धक विमानों के निर्माण कार्यक्रम को एक साहसिक और निर्णायक कदम बताया और कहा कि यह घरेलू एयरोस्पेस क्षेत्र को नयी ऊंचाइयों पर ले जायेगा। रक्षा मंत्री ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उद्योग जगत के दिग्गजों से कहा, " मेक–इन–इंडिया हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अनिवार्य घटक है और आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रभावी कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।"

श्री सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) कार्यक्रम निष्पादन मॉडल के माध्यम से निजी क्षेत्र को पहली बार सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ एक मेगा रक्षा परियोजना में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

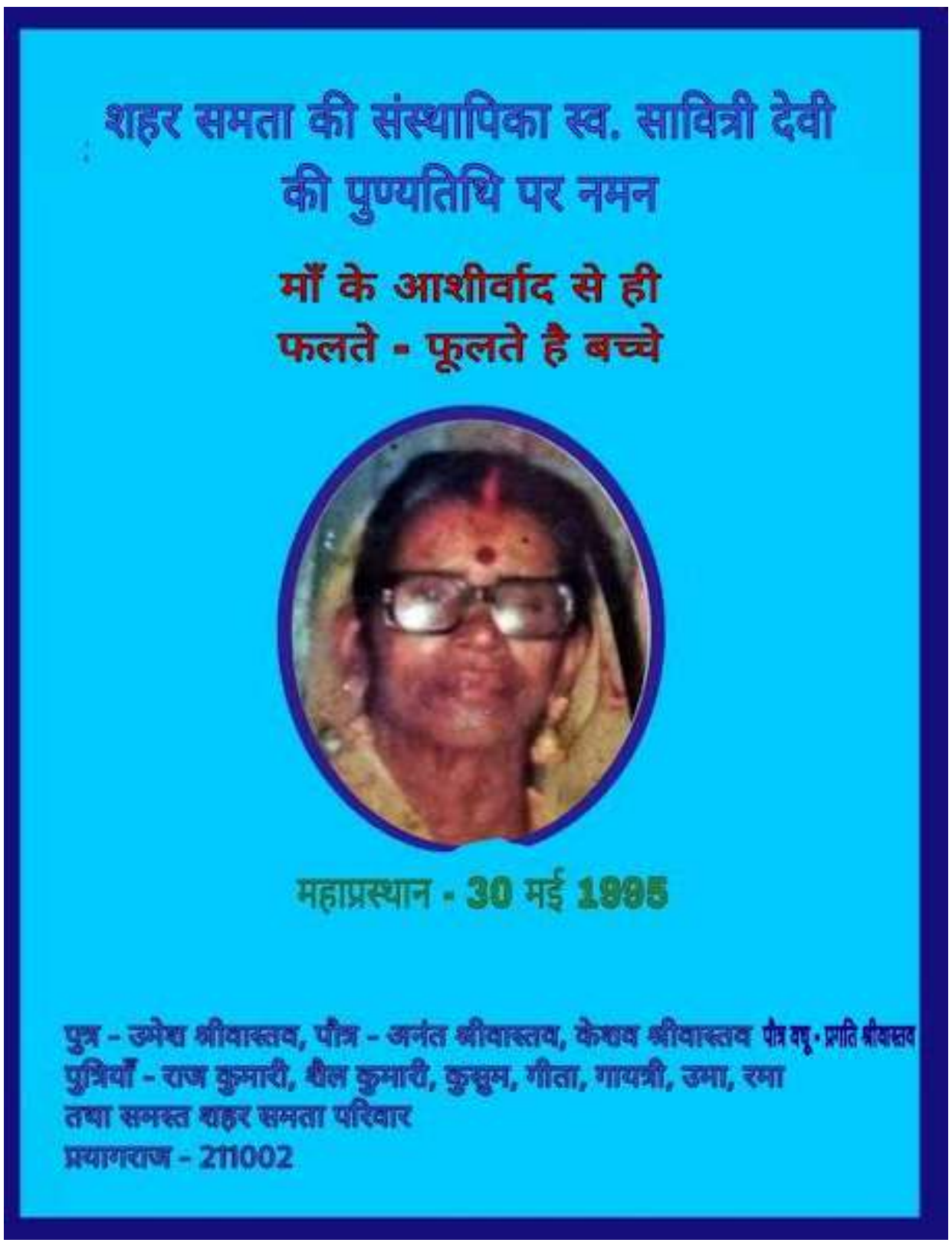

11 जून से बंद हो जाएंगे मांगलिक कार्य

प्रयागराज। ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि यानि 11 जून को शाम सात बजे गुरु ग्रह पश्चिम दिशा में अस्त हो जाएंगे। गुरु के अस्त होने के साथ ही सभी मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। सूर्य के दक्षिणायन होने से चातुर्मास भी शुरू हो जाएगा। फिर छह महीने तक शादी ब्याह जैसे कार्य नहीं होंगे। छह जुलाई को देवशयनी एकादशी मनाई जाएगी। इसी दिन देवगुरु भगवान विष्णु शयन मुद्रा में चले जाएंगे। एक नवंबर को देवउठनी एकादशी पर भगवान जागृत होंगे। इसके बाद 21 नवंबर से शुरू होकर मांगलिक कार्य 15 दिसंबर तक चलते रहेंगे।

मामूली विवाद में मारपीट

प्रयागराज। चौफटका चकनिरातुल निवासी हर्ष कुमार दुबे व आदित्य सिंह पर मामूली विवाद में कुछ लोगों ने हमला कर घायल कर दिया। तहरीर के अनुसार बीते 25 मई को किसी काम से जा रहे थे। स्टेशन चौराहे के समीप कुछ अज्ञात लोग बाइक लगाकर खड़े थे। गाड़ी हटाने को कहा तो गाली–गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट की गई। खुल्दाबाद पुलिस एफआईआर दर्ज कर विवेचना में जुटी है। वहीं दूसरी तरफ सवारियों को लेकर प्रयाग स्टेशन जा रहे एक ई–रिक्शा चालक को पीट दिया गया। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी भाग गए। बेनीगंज निवासी ई–रिक्शा चालक सौरभ यादव ने कर्नलगंज थाने में आरोपी शिवम गुप्ता उर्फ भोनू और सतीश गुप्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

अधिवक्ता के खाते से 19 हजार रुपये उड़ाए

प्रयागराज। साइबर अपराधी नए–नए हथकंडे अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर अपराधियों ने जार्जटाउन निवासी अधिवक्ता चंद्रप्रकाश सिंह के बैंक खाते से साइबर अपराधियों ने साढ़े 19 हजार रुपये उड़ा दिए। अधिवक्ता चंद्रप्रकाश के अनुसार उनके बैंक खाते से मोबाइल पर ओटीपी आया। इसके थोड़ी देर बाद बिना सत्यापन के बैंक खाते से रुपये काट लिया गया। इसकी जानकारी होने पर बैंक शाखा में शिकायत की, लेकिन बैंक की ओर से कोई सहयोग नहीं मिला। जार्जटाउन थाने की पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है।

सोशल मीडिया में युवती की छवि की धूमिल

प्रयागराज। सोशल मीडिया प्लटेफार्म के माध्यम से एक युवती को छवि धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। आरोप है कि एक युवक और दो महिलाएं मिलकर फेसबुक व इंस्टाग्राम

पर फर्जी आईडी बनाकर पूरे परिवार को बदनाम कर रही हैं। रिश्तेदारों के मोबाइल पर युवती की फोटो में छेड़छाड़ कर भेजा जा रहा है। इससे युवती व उसके परिजनों का घर से बाहर तक निकलना दुश्वार हो गया है। युवती की मां ने धूमनगंज थाने में एक युवक व दो महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ जल्द ही विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कार में रखे दो लाख रुपये की जगह रिवाल्वर लेकर भागा चोर

प्रयागराज। पीपलगांव निवासी एक शिक्षक की कार से उनकी लाइसेंसी रिवाल्वर चोरी हो गई। जबकि कार के अंदर दो लाख रुपये भी रखे थे, लेकिन वह चोरी नहीं हुए। एयरपोर्ट थाने की पुलिस मुकदमा दर्जकर रिवाल्वर की तलाश कर रही है। शाहा उर्फ पीपलगांव निवासी जितेंद्र कुमार मिश्रा प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक हैं। उनके भाई पीडब्ल्यूडी में ठेकेदारी करते हैं। बीते 24 मई की रात अपनी कार आवास के पास खड़ी की थी। कार में ही शिक्षक जितेंद्र मिश्रा अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर व दो लाख रुपये नकदी रखे थे, जबकि कार का दरवाजा लॉक करना भूल गए। देर रात किसी ने कार का दरवाजा खोलकर लाइसेंसी रिवाल्वर गायब कर दी। इसकी जानकारी होते ही जितेंद्र के होश उड़ गए। थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही है।

एनईपी के तहत हुए कार्यों की दी जानकारी

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति (एनईपी–2020) को लेकर इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में अब तक किए कार्यों से भी राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) टीम के सदस्यों को अवगत कराया गया। साथ ही इविवि में अगले पांच वर्षों की कार्ययोजना भी प्रस्तुत की गई। टीम के समक्ष कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं विधि संकाय के डीन ने भी अलग–अलग प्रस्तुतकरण दिया। टीम के सदस्यों ने उनसे कुछ सवाल भी पूछे।

उप मुख्यमंत्री करेंगे अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण

प्रयागराज। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को दारागंज स्थित नवनिर्मित पार्क में प्रतिमा का अनावरण करेंगे। पार्क के चबूतरे पर अहिल्या बाई की प्रतिमा को स्थापित कर दिया गया है। प्रतिमा के अनावरण को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है।

महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, विधायक पूजा पाल और भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता के साथ आयोजन की तैयारी को देखा। निरीक्षण के दौरान डॉ. शैलेष पांडेय, प्रमोद मोदी, वरुण केसरवानी, विजय श्रीवास्तव, विजय पटेल, अरुण पटेल, राजेश केसरवानी, विवेक मिश्रा, सुजीत कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

आयोग के बाहर रातभर डटे रहे बेरोजगार

प्रयागराज। परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में एक लाख सहायक अध्यापकों की भर्ती की मांग को लेकर बेरोजगार उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर बेमियादी धरने पर बैठे हैं। दर्जनों अभ्यर्थी बुधवार की पूरी रात आयोग के बाहर डटे रहे। अभ्यर्थियों ने आयोग के बाहर ही खाना बनाया और वहीं खाकर सो गए। हालांकि गर्मी और मच्छरों से सभी परेशान रहे लेकिन भर्ती शुरू करने की मांग पर अड़े हैं।

अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 51112 पदों के रिक्त होने का हलफनाफा लगाया था। आरटीआई से मिली सूचना के अनुसार प्रदेश में प्राथमिक शिक्षकों के 173795 पद खाली है।

संसद में डॉ. धर्मवीर सिंह ने 2020 में जब यूपी में प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पदों का ब्योरा मांगा था तब केन्द्रीय

शिक्षामंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने ये बताया कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षकों के 217481 पद खाली हैं। जब से बीटीसी का नाम बदलकर डीएलएड किया गया तब से डीएलएड 2017, 18 व 19 बैच के लगभग पांच लाख योग्य अभ्यर्थियों को एक बार भी शिक्षक भर्ती का मौका नहीं मिला। सरकार से निवेदन है कि जल्द से जल्द 51112 पदों में 68500 प्राथमिक शिक्षक भर्ती के शेष पदों एवं हर वर्ष रिटायर हो रहे 10 से 15 हजार शिक्षकों के पदों को जोड़कर जल्द से जल्द एक लाख पदों पर प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करें।

बंधक रखे दलित युवक से मार–पीट, मुर्गा बनाया, पेशाब पिलाने की कोशिश

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उससे कई तरह से टॉर्चर करने की कोशिश की गई। एक दलित युवक ने आधा दर्जन से अधिक युवकों पर उसे बंधक बनाकर पीटने, दो घंटे तक मुर्गा बनाए रखने के साथ ही पेशाब पिलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

यूपी के प्रयागराज में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उससे कई तरह से टॉर्चर करने की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि नैनी कोतवाली क्षेत्र के डभांव चाका के रहने वाले एक दलित युवक ने आधा दर्जन से अधिक युवकों पर उसे बंधक बनाकर पीटने, दो घंटे तक मुर्गा बनाए रखने के साथ ही पेशाब पिलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। पीड़ित युवक ने अपने परिजनों के साथ नैनी कोत वाली पहुंचकर आधा दर्जन युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस मामले

की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार डभांव चाका इलाके के रहने वाले अट्ठारह वर्षीय युवक ने नैनी कोतवाली में दी तहरीर में आरोप लगाया है कि वह मंगलवार देर शाम को क्रिकेट खेलने के बाद वह घर लौट रहा था। रास्ते में आधा दर्जन से अधिक युवक मिल गए और उसे अपने साथ जबरन सीओडी ग्राउंड ले गए, जहां उसे दो घंटे तक मुर्गा बनाया और उसके साथ मारपीट की गई।

आरोप है कि युवकों ने उसे बंधक बनाकर पेशाब पिलाने की कोशिश भी की। पीड़ित का कहना है कि आरोपितों ने उसे इसलिए मारपीटा क्योंकि उसे शक था कि उनके मकान मालिक से पीड़ित ने शिकायत की है।

घटना के बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। सूचना पर नैनी पुलिस भी पीड़ित युवक के घर पहुंची, हालांकि पुलिस का दावा है कि सभी आरोप फर्जी हैं, क्रिकेट खेलने के विवाद में मारपीट हुई थी। पीड़ित के शरीर में चोट के निशान भी नहीं थे।

मामले में इंस्पेक्टर नैनी बृजकिशोर से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। वहीं, युवक का कहना है कि उसे बहुत बेरहमी से मारा–पीटा गया है और पुलिस से उसने और उसके परिवार ने मदद की गुहार लगाई है।

30 दिन से अधिक अनुपस्थिति, 35 प्रतिशत से कम अंक पर भी आउट ऑफ स्कूल

प्रयागराज। प्रदेश के 1.21 लाख परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में छह से 14 आयु के छात्र या छात्रा को अब एक शैक्षिक सत्र में 30 संचयी दिनों के बाद अनुपस्थिति के कारणों की पूर्व सूचना के बिना विद्यालय से निरंतर 45 दिन या उसे अधिक अवधि तक अनुपस्थित रहा हो। 15 मई को जारी संशोधित परिभाषा के अनुसार शासन के निर्णय का कड़ाई से अनुपालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। खास–खास यदि बच्चा समुचित कारणों के बिना लगातार तीन दिनों तक अनुपस्थित रहता है

से अधिक अनुपस्थिति होने और वार्षिक परीक्षा या निपुण असेसमेंट टेस्ट (नैट) में 35 फीसदी से कम अंक लाने पर बिना विद्यालय का (आउट ऑफ स्कूल) माना जाएगा। प्रदेश सरकार ने आउट ऑफ स्कूल की परिभाषा में परिवर्तन कर दिया है। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और ड्रॉप आउट को कम करने के उद्देश्य से अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से 15 मई को जारी शासनादेश में यह अहम बदलाव किया गया है।

छह जुलाई 2024 को जारी शासनादेश में जो परिभाषा थी उसके अनुसार छह से 14 आयु के किसी बच्चे को आउट ऑफ स्कूल माना जाता था यदि वह प्रारंभिक विद्यालय में कभी नामांकित न हो या नामांकन किसी बच्चे को आउट ऑफ स्कूल माना जाएगा यदि उसका प्रारंभिक विद्यालय में कभी नामांकन न हो या नामांकन के बाद शैक्षिक सत्र में 30 संचयी दिनों से अधिक अनुपस्थित रहा हो और वार्षिक / नैट मूल्यांकन में 35 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किया हो। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी तो बुलावा टोली घर जाएगी और शिक्षक उपचारात्मक कक्षाएं चलाएंगे। यदि बच्चा लगातार छह या अधिक दिनों तक अनुपस्थित रहता है तो प्रधानाध्यापक घर जाएंगे और बच्चे के स्कूल में वापस आने तक लगातार फॉलोअप करेंगे। शिक्षक उपचारात्मक कक्षाएं चलाएंगे। संभावित ड्रॉपआउटरू यदि बच्चा एक महीने में छह, एक तिमाही में दस और छह महीने में 15 संचयी दिनों से अधिक अनुपस्थित रहता है तो अध्यापक माता–पिता की काउंसिलिंग एवं आवश्यकतानुसार पुनरावृत्ति / उपचारात्मक कक्षाएं संचालित की जाए।

अति संभावित ड्रॉपआउटरू यदि बच्चा नौ महीने में 21 दिनों से अधिक अनुपस्थित तो अगले माह में अनुपस्थिति के कारणों को दूर करने का प्रयास करें और माता–पिता की काउंसिलिंग एवं आवश्यकतानुसार पुनरावृत्ति / उपचारात्मक कक्षाएं संचालित की जाए।

एक सत्र में 30 संचयी दिनों से अधिक अनुपस्थिति लेकिन वार्षिक / नैट मूल्यांकन में 35 प्रतिशत से अधिक अंक मिले हैं तो माता–पिता की काउंसिलिंग, अनुपस्थिति के कारणों को दूर करने का प्रयास एवं आवश्यकतानुसार पुनरावृत्ति / उपचारात्मक कक्षाएं संचालित की जाए। एक सत्र में 30 संचयी दिनों से अधिक अनुपस्थिति और वार्षिक / नैट मूल्यांकन में 35 प्रतिशत से कम अंक हो तो ड्रॉप आउट मानते हुए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

प्रयागराज में लखनऊ की संस्था करेगी तापमान का अध्ययन

प्रयागराज। लखनऊ की संस्था प्रयागराज में तापमान का अध्ययन करेगी। नगर निगम ने शहर के तापमान का अध्ययन व आपदा से जुड़े अन्य कामों के लिए गैर सरकारी संस्था से संपर्क किया था। संस्था की टीम शीघ्र प्रयागराज आएगी। संस्था की टीम कई साल के मई, जून और जुलाई में तापमान के आंकड़े लेगी। यही आंकड़ा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को सौंपा जाएगा। आंकड़ों के आधार पर प्राधिकरण गर्मी से बचाव को लेकर योजना बनाएगा। संस्था आंकड़े लेने के साथ मलिन बस्तियों में जाकर वहां रहने वालों को गर्मी से बचाव को लेकर जागरूक करेगी। प्रयागराज शहर के आपदा के नोडल अधिकारी दीपेंद्र यादव ने बताया कि संस्था की टीम एकसाथ कई काम करेगी। टीम तापमान के साथ गर्मी में हुई मौतों के भी आंकड़े लेगी। मलिन बस्तियों में रहने वालों को जागरूक करने के अलावा वहां के घरों की छतों का सफेद पेंट भी करेगी। संस्था घरों की छत की पेंटिंग के पहले और बाद के तापमान के अंतर का आंकड़ा भी लेगी। गर्मी से बचाव को लेकर राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण प्रयागराज के साथ आगरा, लखनऊ और झांसी के लिए योजना तैयार कर रही है

याददाश्त बढ़ाने वाले 14 यौगिकों की वैज्ञानिकों ने की पहचान

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के वैज्ञानिकों ने 14 ऐसे यौगिकों की पहचान की है, जो मनुष्य की याददाश्त बढ़ाने में कारगर हैं। ये यौगिक (मॉलिक्यूल) दिमाग की सिकुड़ती नसों को खोलने में मदद करते हैं। रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रहे प्रो. रमेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने यह यौगिक लैब में विकसित किए। खास बात यह है कि इन यौगिकों का परीक्षण अमेरिकी लैब में किया जा रहा है, अब तक हुए परीक्षण में इनमें से तीन यौगिक की रिपोर्ट सकारात्मक मिली है। प्रो. सिंह के इस शोध से जुड़ा शोध पत्र नीदरलैंड के प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर के हालिया अंक में प्रकाशित हुआ है। प्रो. सिंह का यह शोध याददाश्त बढ़ाने और दिमाग की सेहत में सुधार करने के लिए नया विकल्प प्रदान करेगा। बहुत जल्द सबसे प्रभावी मॉलिक्यूल से दवा का निर्माण शुरू करने की दिशा में भी आगे बढ़ेंगे। प्रो. सिंह ने बताया कि हाइपर फॉस्फोराइलेटेड (किसी प्रोटीन में फॉस्फेट के समूह का अधिक मात्रा में जुड़ना) टाउ प्रोटीन के कारण मनुष्य की याददाश्त कमजोर हो जाती है। दिमाग में इस प्रोटीन का निर्माण एसिटिलकोलीन नामक न्यूरो ट्रांसमीटर की कमी से होता है। इस ट्रांसमीटर की कमी के लिए एसिटिलकोलीन एस्टरेज एंजाइम जिम्मेदार है। खोजे गए 14 नए यौगिक एंजाइम की इस क्रिया को रोकने में कारगर साबित होंगे। उन्होंने बताया कि शोध टीम ने इसके लिए रसायन विज्ञान की लैब में रासायनिक क्रिया कराकर कंप्यूटर की मदद से कई प्रकार के यौगिकों की पहचान की। फिर, मॉलिक्यूलर डॉकिंग व कंप्यूटर सिमुलेशन विधियों से यौगिकों की सक्रियता और कोशिकाओं को मारने या नुकसान पहुंचाने की क्षमता का विस्तृत अध्ययन किया। अध्ययन में मिला कि 14 यौगिक काफी प्रभावशाली रहे।

प्रयागराज में खोजकर कराया जाएगा मंदिरों का कायाकल्प

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में धर्मार्थ विभाग के जरिए इस वित्तीय वर्ष में प्रत्येक जिले में व्यापक स्तर पर मंदिरों का जीर्णोद्धार कराने की योजना बनाई गई है। शासन का निर्देश मिलने के बाद प्रयागराज में भी मंदिरों को खोज–खोजकर उनके कायाकल्प की कार्य योजना बनाई जाने लगी है। इसके लिए डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने क्षेत्रीय अभिलेखागार के प्रभारी गुलाम सरवर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। नियुक्ति होने के बाद अधिकारी ने प्रयागराज के 23 ब्लॉकों में तैनात बीडीओ को दस दिन पहले पत्र जारी किया था। पत्र के जरिए सभी से संबंधित ब्लॉक के ऐसे मंदिरों को चिह्नित करके उसकी आख्या मांगी गई थी, जिसे धर्मार्थ कार्यों के अंतर्गत जीर्णोद्धार कराया जाना है। अभी तक फूलपुर, जसरा व मांडा से कुल पंद्रह मंदिरों को चिह्नित किया गया है। जो वर्षों से जीर्ण–शीर्ण अवस्था में है और उसे फिर से सौंदर्यीकरण के दायरे में लाया जाना है। नोडल अधिकारी ने अन्य ब्लॉकों की आख्या पंद्रह जून तक तक देने का निर्देश दिया है। जहां संबंधित अधिकारी जोरों से ऐसे मंदिरों का सर्वे करने में जुटे हैं। नोडल अधिकारी गुलाम सरवर ने बताया कि इस वर्ष मंदिरों की दशा व दिशा को बदलने का कार्य पूरा कराया जाएगा। शासन की मंशा के अनुरूप बीस जून तक सभी ब्लॉकों की रिपोर्ट तैयार करके डीएम को सौंप दी जाएगी और वहां से रिपोर्ट संस्कृति विभाग, लखनऊ मुख्यालय को भेज दिया जाएगा।

एडेड कॉलेज के शिक्षकों के तबादले को आवेदन जल्द

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश संरक्षक डॉ. हरि प्रकाश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा के नेतृत्व में अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेन्द्र कुमार तिवारी से पिछले दिनों मुलाकात कर सत्र 2025–26 के तहत सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए आवेदन शुरू करने की मांग की। विज्ञापन के आधार पर पुरानी पेंशन से आच्छादित ऐसे शिक्षकों / कर्मचारियों जिनका अभी तक आदेश जारी नहीं हुआ है उनका आदेश जारी करने, एनपीएस एवं बकाया देयक की ग्रांट जारी करने तथा सभी कार्यालयों पर सिटीजन चार्टर फ्लैक्स लगाने के मुद्दे पर भी वार्ता की। अपर शिक्षा निदेशक ने बताया कि स्थानान्तरण के लिए आवेदन जल्द होंगे, विज्ञापन के आधार पर पुरानी पेंशन से आच्छादित शिक्षकों / कर्मचारियों के मुद्दे पर बताया कि शासन से अनुमति मांगी गई है अनुमति मिलते ही आदेश जारी कर दिया जाएगा। एनपीएस और बकाया देयक मुद्दे पर तुरंत ही वित्त नियंत्रक से वार्ता कर जिन जिलों की मांग आई है तत्काल धन आवंटन के लिए निर्देशित किया। सिटीजन चार्टर (नागरिक घोषणा पत्र) फ्लैक्स सभी कार्यालयों में अति शीघ्र लगाने को निर्देशित किया। प्रतिनिधिमंडल में लखनऊ जिला मंत्री जय प्रकाश प्रजापति सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

कोर्ट से केस लड़ मुर्दा हुए जिंदा तो विभाग ने दिए 63 हजार

प्रयागराज। ये फिल्मी कहानी से कम नहीं लगता, लेकिन असल जिंदगी में यह घटना हुई। ढाई साल से जिन जिंदा लोगों को समाज कल्याण विभाग ने मुर्दा घोषित कर दिया, उन्हें कोर्ट में खुद को जीवित साबित करना पड़ा और जीवित साबित होने के बाद विभाग ने न सिर्फ उनकी पेंशन दोबारा शुरू की, बल्कि जब से उन्हें मृत माना था उस अवधि का एरियर भी दिया। समाज कल्याण विभाग से वृद्धा पेंशन पाने वाले चक मुज्जमिल सैदाबाद के रामस्नेही और बिठौली धनुपुर के कल्लू को विभाग की जांच में लगभग ढाई साल पहले मृत मान लिया गया था। दोनों के खाते में पेंशन की राशि नहीं आई तो वो विभाग में पहुंचे। दस्तावेज देखे गए तो पाया गया कि पोर्टल पर दर्ज है कि अब वो इस दुनिया में नहीं रहे। खुद को मृत जानकर उनके तो होश ही उड़ गए। इसके बाद उन्होंने अपने दस्तावेज दिए लेकिन मानें कौन, फिर क्या था। एक ही चीज बचती थी वो है कोर्ट। दोनों न्यायालय की शरण में गए और वहां उनके दस्तावेज के आधार पर विभाग से इस बारे में पूछा गया। विभाग ने अपनी गलती स्वीकार की। रामस्नेही की पेंशन एक बार फिर शुरू की गई और 33 हजार रुपये का एरियर भी दिया गया। वहीं कल्लू को तो बुधवार को ही 30 हजार रुपये की राशि दी गई। जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रज्ञा पांडेय ने बताया कि दोनों का मामला कोर्ट में था। कुल 63 हजार रुपये का एरियर भी दे दिया गया।

निर्माण श्रमिकों को सिर छिपाने के लिए मिलेगी छत

प्रयागराज। जिले में निर्माण श्रमिकों को अब सिर छिपाने के लिए परेशान नहीं होना होगा। जिनको घर नहीं है, उनके लिए जल्द ही सराय बनाई जाएगी जहां पर यह श्रमिक रात में ठहर सकेंगे। इसके लिए प्रदेश सरकार की ओर से सर्वे करने का निर्देश दिया गया है। प्रदेशभर में तमाम ऐसे श्रमिक हैं जो सड़कों पर रात गुजारते हैं। ऐसे श्रमिकों के लिए अब सराय बनाई जाएगी।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, रोजगार हेतु सार्थक पहल: अशोक

करछना।युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार का अवसर देने और उनके आर्थिक विकास से जोड़ने को लेकर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एक सराहनीय पहल है।युवाओं को चाहिए कि अपने मन मुताबिक विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण लेकर अपने मन चाहे रोजगार के अवसर का लाभ लें। यह बातें क्षेत्र के सोनाई स्थित सावित्री देवी महाविद्यालय के सभागार में गुरुवार को,बीते 6 माह

से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को किट एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ हास्य कवि अशोक सिंह बेशरम ने कही। दीप प्रज्वलन के उपरांत कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्रबंधक ज्ञान सिंह पटेल ने कहा कि यह प्रधानमंत्री की बड़ी सार्थक सोच है।जिसमें,युवाओं के लिए आज स्वर्णिम अवसर है। हमारे युवा छात्र, छात्राएं प्रशिक्षण लेकर आय के स्रोत बना सकते हैं। युवाओं को सिखाई गई बातों को पूरी तरह से अमल मे लाने और इसके प्रयोग हेतु प्रेरित करते हुए संयोजक एवं प्राचार्य डॉ.समीर श्रीवास्तव ने सभी के प्रति शुभकामना एवं अतिथियों का आभार प्रकट किया। संचालन अंशुमान प्रजापति ने किया।इस मौके पर रामललक सिंह,आर.के. श्रीवास्तव,सेजल चौरसिया,चंद्रशेखर सिंह महेंद्रकुशवाहा,सुरेंद्र सिंह समेत कई लोग एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षार्थी मौजूद रहे।

बड़े मंगल पर शिव बाबा धाम में शरबत-खिचड़ी वितरण

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया आयोजन

प्रतापगढ़। बड़े मंगल के पावन अवसर पर प्रतापगढ़ जनपद के राजपाल चौराहा स्थित शिव बाबा धाम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और दैनिक समाचारपत्र विश्व विजेता टाइम्स ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में राहगीरों के लिए शरबत और खिचड़ी वितरण का आयोजन किया गया। इस पुण्य कार्य का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला

जज सुमित पंवार ने किया। कार्यक्रम में विश्व विजेता टाइम्स के ओ.पी. गुप्ता जिला ब्यूरो चीफ बृजेंद्र सिंह बबलू आवाम की खबर के ब्यूरो चीफ रशीद अहमद मृत्युंजय सिंह आशीष प्रेस क्लब संगठन मंत्री अरुण श्रीवास्तव पूरे माधव सिंह के प्रधान विनीत सिंह सहायक ब्यूरो आनंद सिंह सोमवंशी अधिवक्ता ज्वाला प्रसाद सिंह विक्रम प्रताप सिंह कुलदीप सिंह शिव बाबाधाम के पुजारी अवधेश उपाध्याय नगर संवाददाता अरुण कुमार श्रीवास्तव पंकज केसरवानी सद्दाम अहमद सलमान खान बबलू राय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह आयोजन राहगीरों को गर्मी में राहत प्रदान करने और सामाजिक सेवा के उद्देश्य से किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और इस नेक कार्य की सराहना की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बारे में और जानकारी देने व लोक अदालत के बारे जानकारी के लिए पम्पलेट वितरित किया गया अपर जिला जज सुमित पवार ने कहा इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए।

साहित्यकार व रचनाकार साहित्यकार कल्याण कोष व प्रकाशन अनुदान योजना का का उठाये लाभ

प्रतापगढ़। जनपद के साहित्यकार/रचनाकार उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में संचालित साहित्यकार कल्याण कोष योजना व प्रकाशन अनुदान योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। साहित्यकार कल्याण कोष योजना हेतु प्रार्थना पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 27 जून 2025 निर्धारित है तो वही प्रकाशन अनुदान योजना हेतु प्रार्थना पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 18 जुलाई 2025 निर्धारित की गयी है। साहित्यकार/रचनाकार प्रस्ताव सीधे निदेशक उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान राजर्षि पुरूषोत्तमदास टण्डन हिन्दी भवन 6 महात्मा गांधी मार्ग हजरतगंज लखनऊ को प्रेषित कर सकते है। योजनाओं का विवरण एवं प्रार्थना पत्र का प्रारूप संस्थान की वेबसाइट www-uphindisansthan-in पर भी उपलब्ध है। योजना की नियमावली एवं आवेदन पत्र का प्रारूप संस्थान कार्यालय से किसी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

साहित्यकार कल्याण कोष योजना के अन्तर्गत विषम आर्थिक स्थितिग्रस्त साहित्यकारों को जिनकी वार्षिक आय (समस्त स्रोतो से) रूपये 5 लाख तक है तथा 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है। उन्हें अधिकतम रूपये 50 हजार तक अनावर्तक चिकित्सा हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। आवेदन के साथ तहसीलदार द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र एवं चिकित्सक का प्रमाण पत्र, दो साहित्यकारों की संस्तुतियॉ संलग्न किया जाना अनिवार्य है।

प्रकाशन अनुदान योजना के अन्तर्गत ऐसे रचनाकारों को जिनकी वार्षिक आय (समस्त स्रोतो से) रूपये 5 लाख तक है उनकी पाण्डुलिपि के मुद्रण के लिये अनावर्तक प्रकाशन अनुदान प्रदान करने हेतु प्रस्ताव आमंत्रित है। (पुस्तक अधिकतम 200 पृष्ठों की हो) पाण्डुलिपि संलग्न करना अनिवार्य है। प्रस्तुत पाण्डुलिपि वापस नहीं की जायेगी। स्वीकृत पाण्डुलिपि लेखक/लेखक के उत्तराधिकारी द्वारा मुद्रित करायी जायेगी। निर्धारित तिथि तक संस्थान में मुद्रित पुस्तक की पांच प्रतियॉ एवं मुद्रण का प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना होगा। आवेदन के साथ तहसीलदार द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र, तीन प्रेसों के कोटेशन, दो साहित्यकारों की संस्तुतियॉ संलग्न किया जाना अनिवार्य है। शोध ग्रंथो/सम्पादित पाण्डुलिपि अनुदान हेतु स्वीकार नहीं की जायेगी। नियमानुसार अनुदान लेखक को स्वीकृत होगा।

अहिल्याबाई होलकर को नमन कर महिलाओं को किया सम्मानित

मोरना। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम मे भाजपा नेताओं ने अहिल्याबाई होलकर द्वारा धर्म क्षेत्र व सामाजिक क्षेत्र मे किये गये कार्यों तथा उनकी सुशासन व्यवस्था पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए भाजपा सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए किये कार्यों का उल्लेख किया। कार्यक्रम मे महिलाओ को सम्मानित किया गया।

नगर पंचायत कार्यालय परिसर भोकरहेड़ी मे आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ अथितियों द्वारा अहिल्याबाई के चित्र सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया।मुख्य वक्ता के रूप मे अर्चना चौधरी ने कहा की देवी अहिल्याबाई ने अपने शासनकाल मे 12776 मंदिरों का जीरणोंद्धार कराया तथा सती प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का कार्य किया व महिलाओ के सम्मान मे अनेक कार्य किये शक्ति,संयम, न्याय का प्रतीक देवी अहिल्याबाई के सम्मान मे भाजपा सरकार द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। मुख्य अथिति जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा की अहिल्याबाई होलकर ने परिवार की कठिन परिस्थितियों के बावजूद एक ऐतिहासिक शासन व्यवस्था प्रदान की जिसके लिए भारतीय संस्कृति सदैव कृतज्ञ रहेगी। केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर अनेक योजनाओं को संचालित कर रही है। कार्यक्रम के संयोजक जोगेन्द्र वर्मा ने कहा की देवी अहिल्याबाई होलकर का सम्मान सर्वोपरि है। महिला सम्मान व सुरक्षा, स्वाल्बन सरकार प्राथमिकता मे है।इस दौरान महिला कर्मचारी सोनिया, पूनम, कृष्णा को कार्यनिष्ठा व छात्रा निहां सालेह सिद्दीकी को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त करने पर प्रमाण पत्र भेंट किए गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौयरमैन सरला देवी ने की व संचालन रामकुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अधिशासी अधिकारी आलोक रंजन,मंडल अध्यक्ष अरुणपाल, रविन्द्र वाल्मीकि, बृजवीर सिंह,सभासद राहुल गर्ग, लिपिक संजीव शील,सचिन वामन, वीरपाल सहरावत, विपुल, अमित सालार, डॉ, अनिल प्रजापति, रवि आर्य, डॉ. संजू शर्मा,भूपेंद्र वाल्मीकि, कंवरपाल सिंह,अभिषेक वत्स, मुनीराम, सुभाष आदि मौजूद रहे।

एनसीसी कैंप समापन की पूर्व संध्या पर पुरस्कार वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरनगर। 82 यूपी एनसीसी बटालियन के तत्वावधान में राजकीय इण्टर कॉलेज में चल रहे एनसीसी के दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप के समापन की पूर्व संध्या पर पुरस्कार वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। बेस्ट एएनओं का अवार्ड फस्ट आफिसर जयवर्धन सिंह व बेस्ट कैडिट अवार्ड अभिलाष कुमार ने हासिल किया। कैंप में विभिन्न स्कूल– कालेजों के लगभग 600 गर्ल्स एवं ब्वायज कैडेट्स ने हिस्सा लिया।

बृहस्पतिवार को पुरस्कार वितरित कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए कैंप कमांडेंट कर्नल प्रवीण भाल ने कहा कि एनसीसी सैन्य विभाग का ही एक अभिन्न अंग और देश की द्वितीय रक्षा पंक्ति है।इससे कैडेट्स में देश एवं समाज सेवा का जज्बा पैदा होता है। इससे पूर्व बेस्ट एएनओं अवार्ड फस्ट आफिसर जयवर्धन सिंह, बेस्ट कैडिट अवार्ड अभिलाष कुमार,बेस्ट ड्रिल ब्वायज समीर मलिक,बेस्ट ड्रिल गर्ल्स अनुष्का चौहान, बेस्ट फायरर ब्वायज दीपक कुमार, बेस्ट फायरर गर्ल्स आकांक्षा चौधरी, बेस्ट मैप रिडिंग ब्वायज अभिलाष

कुमार, बेस्ट मैप रिडिंग गर्ल्स पलक अहलावत, हैल्थ एण्ड हाइजीन में अभिनव कुमार, क्षेत्रकला एवं युद्धकला में मौहम्मद आमिर, ऑप्टिकल में समीर मलिक, बेस्ट वैपन कैडेट उत्कर्ष कुमार को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोकगीत बरसाने वाली राधा कु रिया कुमारी, लोकनृत्य घुमर–घुमर कु वंशिका, देश भक्ति गीत भारत का रहने वाला हूं प्रिंस भार्गव,एकल गीत वतन वालों कु सोनिया,समूह गीत मेरा रंग दे बसंती चोला हर्षित सहरावत, विशाल भारद्वाज, लघु नाटिका कु नजराना,कु पलक,एकल नृत्य कु जीनत ने प्रस्तुत कर समां बांधा। कार्यक्रम का संचालन मेजर अरविंद कुमार व तानिया मित्तल ने संयुक्त रूप से किया। कैंप की प्रगति आख्या कैंप कमांडेंट कर्नल प्रवीण भाल ने प्रस्तुत की और राजकीय इण्टर कॉलेज मुजफ्फरनगर के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट नितिन कुमार के द्वारा कैंप के दौरान की गई शानदार व्यवस्था की बहुत– बहुत सराहना की। कैंप कमांडेंट कर्नल प्रवीण भाल को गॉड ऑफ़ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। सूबेदार मेजर यशपॉल व प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट नितिन कुमार ने उनकी अगुवाई की।कैंप में विभिन्न स्कूल– कालेजों के लगभग 600 गर्ल्स एवं ब्वायज कैडेट्स के हिस्सा लिया।कैंप में डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल नवीन पराशर, कैंप एडजुडेंट मेजर अरविंद कुमार, लेफ्टिनेंट नितिन कुमार, लेफ्टिनेंट डॉ नावेद अख्तर, चीफ ऑफिसर सतेन्द्र तोमर, चीफ ऑफिसर विपिन कुमार, चीफ ऑफिसर रमन सिंह, फस्ट आफिसर जयवर्धन सिंह, सैकिंड आफिसर वाजिद अली, सूबेदार मेजर यशपॉल सहित एनसीसी एवं सैन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

दयाशंकर प्रसाद 'विद्याभाष्कर' सम्मान से अलंकृत किये गए

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ साहित्य प्रकोष्ठ प्रयागराज के सचिव वरिष्ठ साहित्यकार दयाशंकर प्रसाद को रायबरेली काव्य रस साहित्य मंच के तत्वावधान में विगत दिनों विद्याभाष्कर सम्मान से अलंकृत होने पर बधाई दी गई। उल्लेखनीय है कि हिन्दी संस्थान उ प्र द्वारा सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार दयाशंकर प्रसाद को उनके साहित्यिक अवदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया है जिससे भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के साहित्य प्रकोष्ठ में हर्ष व्याप्त है।

बता दें कि श्री प्रसाद को अंतर्राष्ट्रीय रायबरेली कवि महाकुंभ 2025 के कार्यक्रम में बाल साहित्यलेखन के (बच्चों की दुनिया) क्षेत्र में किये गए उत्कृष्ट कार्य के लिए विद्या भाष्कर सम्मान से अलंकृत किया गया। संस्था के राष्ट्रीय

संस्थापक शिवनाथ सिंह शिव एवं सदस्यों ने अंग वस्त्र एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुबई से पधारी सुप्रसिद्ध साहित्यकार अमृत बिसारिया ने किया। बाल पंखुड़ी , चिड़ियों की कचहरी , खिलौने माटी के, इनकी रचित बाल गीत संग्रह है। इनकी बाल गीत संग्रह की पुस्तक साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा प्रकाशित हुई है जिसे अमिताभ बच्चन ने भी खूब सराहा है द्य

'षखिलौने माटी केष देखते ही बच्चन जी को बचपन की माटी याद आ गईरू'

दयाशंकर प्रसाद को अग्निशिखा मंच, मुंबई द्वारा 'साहित्य भूषण सम्मान' से भी सम्मानित किया जा चुका है । प्रसाद जी को उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा हरिवंश राय बच्चन युवा गीतकार पुरस्कार भी मिल चुका है। मुंबई स्थित अमिताभ बच्चन जी के जलसा बंगले पर दयाशंकर प्रसाद उनसे मिले तथा उन्हें अपनी पुस्तक षखिलौने माटी केष एवं 'भोरकी बेला ष तथा एक आभार पत्र उनको अपने हाथों से भेट किया था।

दयाशंकर प्रसाद द्वारा रचित बाल कविताओं के संग्रह षखिलौने माटी केष देखने के बाद प्रयागराज एवं अपने बचपन को याद कर धन्यवाद एवं आशीर्वाद स्वरूप अपने ऑटोग्राफ दिया था।

श्री प्रसाद को बधाई देने वालों में डा० भगवान प्रसाद उपाध्याय, डॉ योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु, सर्वेश कांत वर्मा , रमेश कुमार शर्मा , केशव प्रकाश सक्सेना, डॉ राम लखन चौरसिया वागीश , श्रीराम तिवारी सहज , राम कुमार, विष्णुदेव पाण्डेय, सतीश मिश्रा आदि प्रमुख हैं।

संगीता पवांर बनी शिवसेना जिला उपाध्यक्ष एवं आशीष शर्मा बने जिला महासचिव

मुजफ्फरनगर। आज शिवसेना कार्यालय पर शिवसेना पदाधिकारियो की मासिक बैठक हुई जिसमें संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की गई एवं सक्रिय रूप से संगठन में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों को मिली नई जिम्मेदारियां इसी क्रम में आज जिला अध्यक्ष सुनीता मलिक ने संगीता पवार को जिला उपाध्यक्ष के पद पर व जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा ने आशीष शर्मा को जिला महासचिव के पद पर नियुक्त करते हुए कहां की जनपद में शिवसेना ही एक मात्र ऐसा हिंदूवादी संगठन है जो लगातार हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों को बड़ी मजबूती से उठा रहा है इसीलिए जनपद में लगातार शिवसेना का हो रहा विस्तार वही 'पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी चौधरी व मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी ने संयुक्त रूप से सभी सनातनी भाइयों से निवेदन करते हुए कहा कि हमारी बहन बेटियां मेकअप थ्रेडिंग फेशियल हेयर कटिंग करने जिस ब्यूटी पार्लर में जा रही है कहीं उस पार्लर में कार्य करने वाला कोई जिहादी तो नहीं कहीं आपकी बहन बेटियां किसी जिहादी के हाथों शिकार ना हो जाए क्योंकि आजकल ब्यूटी पार्लर संचालकों ने चंद रुपयो के चक्कर में अपना दीन ईमान सब गिरवी रख दिया है श्री सैनी जी ने जिला प्रशासन से निवेदन करते हुए कहा कि आप भी एक टीम गठित करके ऐसे ब्यूटी पार्लर संचालक को की जांच कर उन पर कार्रवाई करें अन्यथा शिवसेना अपने तरीके से ऐसे जिहादियों एवं जिहादियों को पन्हा देने वाले ब्यूटी पार्लर संचालकों को खुद सबक सिखाएंगे'/ इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित रहे शिवसेना प्रश्न उत्तर प्रदेश प्रभारी रेणु चौधरी , मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनीता मलिक नगर अध्यक्ष सुमन प्रजापति मंडल महासचिव राजेश कश्यप जिला मीडिया प्रभारी बसंत कश्यप कार्यालय प्रभारी सचिन कपूर जोगी नगर सचिव रविंद्र शर्मा जिला उपाध्यक्ष नेहा गोयल नगर उपाध्यक्ष अनीता प्रजापति सपना ठाकुर पारुल पांचाल रजना ठाकुर मिंटू पाल शिवम पंडित गोपी वर्मा आदि।

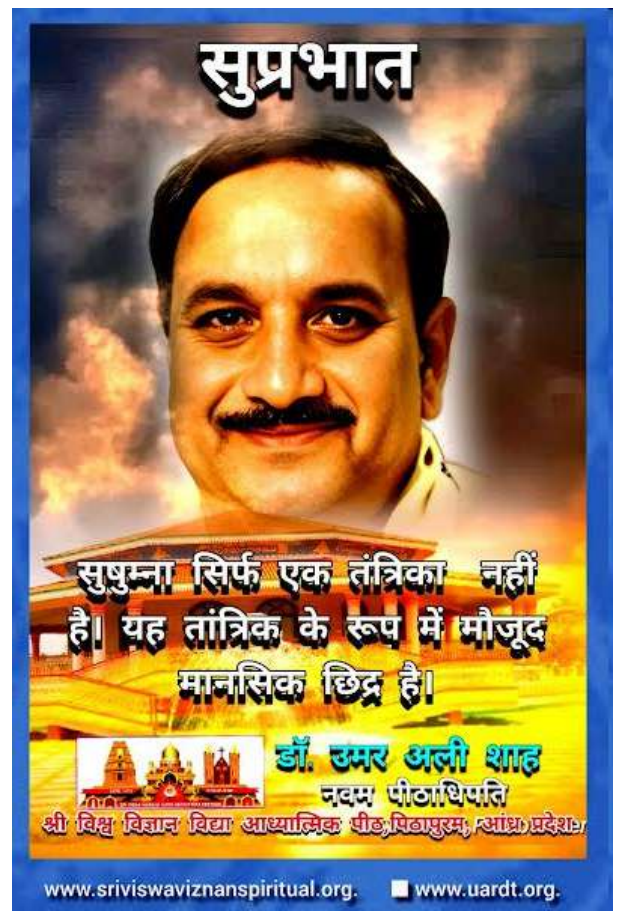

नाप-तौलकर बोल

(कुण्डलिया)

हल्ला–गुल्ला मत करो, व्यर्थ न खींचो चित्र।
रहते हैं जो साथ में, उनका पढ़ो चरित्र।
उनका पढ़ो चरित्र, साथ वह क्यों आए हैं।
कम दिन की पहचान, मगर सबको भाए हैं।
सुन लो कहें प्रदीप,न लेना इसको हल्का।
पढ़ना जरा अतीत, मचा था क्यों कर हल्ला।।

दूजों का संदर्भ हैं, व्यर्थ न गठरी खोल।
बड़े लोग के बीच में, नाप–तौलकर बोल।
नाप–तौलकर बोल, समय का समझ तकाजा।
कुछ दिन का है मौन,न कहना उनको राजा।
सुन लो कहें प्रदीप,जोड़ नाता अपनों का।
पाओगे फिर साथ, हमेशा ही दूजों का।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

खुयलन धाम झील का कायाकल्प जैव विविधता व इको सिस्टम के संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक पहल

खुयलन धाम झील एक आदर्श पर्यावरण स्थल बनकर उभर रहा है: अश्वनी कुमार

प्रतापगढ़। उपायुक्त श्रम रोजगार अश्वनी कुमार ने बताया है कि प्रदेश के शीर्ष पांच जल संरक्षण स्थलां में शामिल विकास खण्ड मान्धाता के ग्राम पंचायत नेवाड़ी में स्थित मां खुयलन धाम न केवल धार्मिक आस्था का केन्द्र बन रहा है, बल्कि इको सिस्टम

और जैव विविधता के संरक्षण का आदर्श उदाहरण भी बनता जा रहा है। झील के कायाकल्प और जल भराव से अब यह क्षेत्र प्राइमरी कंज्यूमर (घास, शैवाल खाने वाले जीव), सेकेंडरी कंज्यूमर (मछलियां, पक्षी आदि) एवं डिकम्पोजर (कीट, जीवाणु) के लिये संतुलित आवास बन रहा है। झील का जलभराव सुनिश्चित कर स्थानीय पारिस्थतिकी तंत्र को जीवंत रखा गया है जिससे प्राकृतिक जैव विविधता बनी रहेगी और इको सिस्टम की निरन्तरता भी बनी रहेगी। इस कार्य में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी का कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ दिव्या की दूरदर्शिता और पर्यावरणीय सोच उल्लेखनीय रही है। उन्होंने जलवायु सुधार व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के दृष्टि से इस योजना को गति दी। उनका यह प्रयास न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिये एक अमूल्य धरोहर होगा। जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन एवं ग्राम प्रधान नेवाड़ी अनिल यादव और आम जनमानस की सहभागिता से खुयलन धाम झील अब एक आदर्श पर्यावरण स्थल बनकर उभर रहा है, जहॉ जल, जीवन और प्रकृति के बीच संतुलन का सुन्दर दृश्य देखा जा सकता है।

स्टील फैक्टरी में जीएसटी का छापा, 2.80 करोड़ का माल जब्त

मुजफ्फरनगर। सिखेड़ा थाना क्षेत्र में चलाई जा रही एक स्टील फैक्टरी पर जीएसटी टीम के छापे के दौरान भारी अनियमितता पाई गई। टीम जब पहुंची तो यहां पर दो गाड़ियों से माल अनलोड किया जा रहा था, जबकि ये गाड़ियां देहरादून और नेपाल के लिए माल की आपूर्ति लेकर चली थीं।इन गाड़ियों को माल सहित सीज करा दिया गया। इसके साथ ही जांच पड़ताल गहनता से शुरू कराई गई। जब्त किए गए माल की कीमत 2.80 करोड़ रुपये बताई गइ है। टैक्स चोरी की संभावना को लेकर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी कब्जे में लिए गए हैं।

राज्य वस्तु एवं सेवाकर की एसआईबी यूनिट ने एमक्यूएस स्टील फैक्टरी में अनियमितताएं उजागर कीं। यहां पर जीएसटी टीम को जांच में बिहार, पंजाब और देहरादून के बिलों पर माल बिक्री मिली और दो ट्रक अनलोड होते पकड़े गए। इनमें लगभग 2.80 करोड़ का माल जब्त किया गया। राज्य वस्तु एवं सेवाकर के एसबीआई यूनिट संयुक्त कमिश्नर सिद्धेश कुमार दीक्षित ने बताया कि विभाग को मिली शिकायत के आधार पर सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव धंधेड़ा स्थित एमक्यूएस स्टील फैक्टरी में विभागीय टीम को भेजकर छापा मारा गया। इस फर्म में इंगट का निर्माण कर बिक्री का कार्य किया जाता है। जांच के दौरान व्यापार स्थल परिसर में माल से भरे दो वाहन अनलोड होते मिले हैं। बताया कि जीएसटी पोर्टल पर जांच करने पर पाया गया कि इनमें से एक वाहन से प्राप्त ई–वे बिल पुणे बिहार से देहरादून, दूसरे वाहन पर ई–वे बिल जांलधर पंजाब से नेपाल के लिए जारी किया गया है। दोनों से इस फैक्टरी परिसर में माल अनलोड होते पाया गया। दोनों वाहनों को लोड माल सहित थानाध्यक्ष सिखेड़ा की सुपुर्दगी में दिया गया। इसके अतिरिक्त माल के भौतिक सत्यापन पर एमक्यूएस इंगट दस्तावेजों के अनुसार घोषणा से अधिक, सिलिको मैगनीज एवं स्पंज आयरन घोषणा से कम पाया गया।

सम्पादकीय.....

सामूहिक आत्मघात

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां–बाप,पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां–बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां–बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरूआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी? निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने–पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता–खेलता परिवार हमेशा–हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें। दूसरा सबक यह है कि हमारे सामने संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमें हार नहीं माननी चाहिए। यह भी कि खुद व परिवार को मौत के मुंह में ध ाकेलना किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज की पीढ़ी जल्दी मोटा मुनाफा कमाने की होड़ में बड़े कर्ज लेकर दांव तो खेलती है,लेकिन जरूरी नहीं हर जोखिम लाभदायक ही साबित हो। हमें अपनी सामर्थ्य और देशकाल परिस्थितियों का पूरा आकलन करके ही कदम उठाना चाहिए। यह भी हकीकत है कि नई पीढ़ी में वह धैर्य व संयम धीरे–धीरे कम होता जा रहा है, जो हमें संकट से जूझने का सामर्थ्य देता था। कभी संयुक्त परिवार हमें ऐसे संकट से निबटने की ताकत ही नहीं देते थे, बुरे वक्त में मदद भी करते थे। हमें ऐसे तमाम पहलुओं पर विचार जरूर करना चाहिए।

शराब पीने की रफ्तार गिरने लगी

अरविन्द मोहन

माना जाता है कि यह औसत क्रय शक्ति कम होने और शराब की कीमत के आबादी के एक हिस्से की क्रय शक्ति से बाहर होने के चलते हो रहा है।

अब बिहार के जानकार लोग तो यह बात नहीं मानेंगे कि शराब की बिक्री की रफ्तार कुछ कम होने में उनके प्रदेश की शराबबंदी का भी योगदान है, असल में ऐसा हो सकता है। देश में शराब की मांग जहां तीन साल पहले बारह फीसदी की रफ्तार से बढ़ी वह अब गिरकर चार फीसदी और फिर दो फीसदी हो चुकी है और इस कारोबार के लोग इसे भी राहत की खबर ही मान रहे हैं क्योंकि वैश्विक स्तर पर शराब की खपत में एक फीसदी साल की कमी आती जा रही है। और यह कमी शराब कंपनियों की उत्पादन क्षमता घटाने या ब्रांड प्रोमोशन में ढील देने के चलते नहीं आ रही है। माना जाता है कि यह औसत क्रय शक्ति कम होने और शराब की कीमत के आबादी के एक हिस्से की क्रय शक्ति से बाहर होने के चलते हो रहा है। ये लोग दूसरी ओर सस्ती चीजों से नशा की लत शांत कर रहे होंगे, यह सामान्य अनुमान है। इसमें अधि ाक मारक ड्रग और घटिया कच्ची शराब शामिल है। इनके दुष्प्रभाव जगजाहिर हैं और अपने यहां, खासकर नशाबंदी वाले बिहार और गुजरात में, अक्सर कच्ची शराब पीने से मौत की खबरें आती हैं और ऐसे लोग शासन की चिंता से बाहर हो चुके हैं। अपने यहां जो कमी आ रही है वह मुख्यतरू शराब पर भारी कर लगाने से आ रही है। जीएसटी लागू होने के बाद से ज्यादातर राज्यों के राजस्व में कमी आई है। खर्च के आइटम बढ़ते ही जा रहे हैं, खासकर लोकलुभावन कार्यक्रमों से चुनाव जीतने की होड़ बढ़ने के कारण। सो सबको राजस्व बढ़ाने का एक ही सरल तरीका दिखता है– शराब की बिक्री बढ़ाओ और उस पर ज्यादा कर लगाकर खजाना भरो। दिल्ली में हमने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली आप की सरकार के इस खेल में शामिल होने का तमाशा देखा है। अब भाजपा सरकार ने बिक्री और उपलब्धता में किसी किस्म की सख्ती की हो इसकी सूचना नहीं है। ठीक उलटी सूचना पड़ोस के उत्तर प्रदेश की है जो आज देश में न सिर्फ सबसे ज्यादा शराब बेचता है बल्कि जिसकी बिक्री बढ़ाने की रफ्तार भी सबसे तेज है। योगी राज शुरु होते समय जो राजस्व 17250 करोड़ था वह अब पचास हजार करोड़ तक पहुंच चुका है। यही नहीं, इस सरकार की शराब के ठेकों की नीलामी नीति को भी शराब के व्यापार के लोग सबसे अनुकूल पाते हैं। नोएडा और गाजियाबाद देश में शराब की सबसे ज्यादा और तेज वृद्धि वाले जिले हैं। व्यापार के जानकार मानते हैं कि जो दुनिया का ट्रेंड है वह हमारे यहां भी है। लेकिन दो वजहों से हमारे यहां अभी कमी या गिरावट नहीं दिखती। गरीबी, क्रय शक्ति में कमी और घटिया नशा का रिकार्ड तो हमारा ही ज्यादा खराब है। लेकिन हमारे समाज में अब तक महिलाओं के शराब पीने का बुरा माना जाता था। आज समाज के एक समूह मे महिलाओं में शराब पीने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। बीते तीन दशक के उदारीकरण से पैदा और मजबूत हुआ यह वर्ग इससे लाभान्वित है और भारी कमाई वाले काम कर रहा है। इनमें लड़कियों की संख्या भी काफी है। शराब की खपत बढ़ाने वाला एक जमात यह भी है। एक दूसरा कारण विदेशी ब्रांड के शराब की उपलब्धता सुलभ होना है। कभी विदेशी शराब पर 350 फीसदी तक का सीमा शुल्क लगता था। आज यह सस्ता हुआ है या देश में ही उसका उत्पादन होने लगा है। इसके चलते भी मांग बढ़ी है। रम की बिक्री में सालाना एक फीसदी की वृद्धि हुई है, ब्रांडी में ढाई फीसदी तो वोदका में 19 फीसदी और जिन में पंद्रह फीसदी वृद्धि की रफ्तार है। व्हिस्की की मांग जरूर सबसे ज्यादा बनी हुई है और उसमें कमी आती नहीं दिखती। युवा वर्ग में शान, फैशन और मेलजोल का माध्यम बनने से भी शराब की लोकप्रियता और खपत बढ़ रही है। शराब व्यवसाय से जुड़े लोगों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा (जहां शराब अपेक्षाकृत सस्ती मिलती है) जैसे राज्यों में खपत ठीक रहने की वजह उदारीकरण से अमीर हुए वर्ग का यहां सिमटना भी बदलाव का एक पक्ष है। शराब की खपत या नशे का चलन हर कहीं बढ़ा है लेकिन अमीरी से शराब की बिक्री का सीधा रिश्ता है और शराब की खपत के साथ की और चीजों की मांग और खपत भी बढ़ती है। मांसाहार ऐसी एक चीज है। बढ़ने को तो उत्तर प्रदेश के हर जिले में शराब की मांग बढ़ी है (बिहार के सीमावर्ती जिलों में और भी ज्यादा) लेकिन गाजियाबाद और नोएडा का जोड़ नहीं है। हरियाणा में भी गुड़गांव और फरीदाबाद सबसे आगे है। जाहिर तौर पर बाजार इससे खुश है लेकिन बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है जो लागत, कीमत और टैक्स बढ़ाने से महंगी हुई शराब नहीं ले पा रहा है। यह जमात बढ़ता जा रहा है। अनाज की कीमतों, न्यूट्रल अल्कोहल और कांच समेत पैकेजिंग के अन्य मटेरियल की कीमत बढ़ाने से शराब उद्योग पर भी जोर बढ़ा है। सरकार और उसके पास दाम और टैक्स बढ़ाने का विकल्प है लेकिन सोने के अंडों की चाह में मुर्गी हलाल हुई तो कुछ भी नहीं मिलेगा। इसके साथ ही यह भी सच है कि शराब पीने से जुड़े उत्पाद भी बढ़ते गए हैं–खासकर कमजोर और दिहाड़ी करने वाले वर्ग में। जहां ठेकों से सस्ती शराब का विकल्प है वहां भी वह क्या नुकसान करती है इस बारे में कोई अध्ययन करने या कराने की फुरसत किसी को नहीं है। जहां बंदिश है वहां राजस्व का या कथित विकास का क्या नुकसान हो रहा है यह हिसाब उंगलियों पर गिनवा दिया जाता है। लेकिन जगह–जगह शराब के खिलाफ आंदोलन भी हों रहे है, खासकर महिलाओं की तरफ से। जिन घरों के पुरुष अपनी कमाई और स्वास्थ्य शराब की भेंट चढ़ा देते हैं उस घर को चलाना महिलाओं के लिए कितना मुश्किल होता है यह कोई नहीं सोचता। लेकिन जब जहरीली शराब और जैसे तैसे बनाई अवैध ा शराब बड़े पैमाने पर जान लेती है तो सभी आंसू बहाने आ जाते है और फिर दूसरे दिन सब भूल भी जाते हैं।

मोदी ने संसद को सरकार का रसोई घर बना दिया

अनिल जैन

बात 1962 के अक्टूबर–नवंबर की है। भारत और चीन के बीच युद्ध चल रहा था। यह युद्ध भारत के उत्तर और पूर्वी सीमा क्षेत्र में चीन के हमले के बाद शुरू हुआ था। तब भारत को आजाद हुए महज 15 साल हुए थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू की लोकप्रियता चरम पर थी और वे लोकसभा में लगभग तीन चौथाई बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बने हुए थे। देश पर कांग्रेस का एकछत्र राज था। कांग्रेस के मुकाबले संख्या बल के लिहाज से विपक्ष आज के मुकाबले कितना कमजोर था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी थी, जिसके लोकसभा में महज 27 सदस्य थे। बाकी विपक्षी पार्टियों के संख्या बल का अंदाजा लगाया जा सकता है। युद्ध के दौरान भारतीय जनसंघ (आज की भाजपा) की ओर से यह नहीं कहा गया था कि हम पूरी तरह भारतीय सेना और सरकार के साथ हैं। यह कहने के बजाय जनसंघ की ओर से जगह–जगह नेहरू सरकार की रक्षा और विदेश नीति की आलोचना करते हुए प्रदर्शन किए जा रहे थे। यद्यपि सर्वदलीय बैठकों में नेहरू और उनके मंत्री विपक्ष के तमाम सवालों का जवाब दे चुके थे लेकिन जनसंघ के युवा सांसद अटल बिहारी वाजपेयी लगातार संसद की आपात बैठक बुलाने के मांग कर रहे थे, जिस पर नेहरू ने युद्ध के दौरान 8 नवंबर को संसद का विशेष सत्र बुलाया। कुछ विपक्षी सांसदों ने संसद का गोपनीय सत्र बुलाने का भी सुझाव दिया था, जिसे नेहरू ने यह कहते हुए नकार दिया था कि लोकतंत्र में जनता को उसके द्वारा चुनी गई संसद की कार्यवाही के बारे में जानकारी होना चाहिए। पूरे एक सप्ताह तक चले संसद के उस सत्र में नेहरू ने कहा था, चीन ने हमारे साथ धोखा किया है। उन्होंने यह मानने में भी कोई संकोच नहीं दिखाया था कि भारत इस हमले के लिए पूरी तरह तैयार नहीं था। पूरे एक सप्ताह तक चले उस सत्र में ही संसद ने सर्वसम्मति से वह ऐतिहासिक संकल्प पारित किया था कि भारत अपनी एक–एक इंच जमीन चीनी कब्जे से मुक्त कराएगा। वह संकल्प किसी एक व्यक्ति, एक पार्टी या किसी सरकार का नहीं बल्कि भारतीय संसद का यानी भारतीय जनता का था, लेकिन याद नहीं आता कि पिछले ग्यारह साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की संसद और सरकार ने कभी उस संकल्प को पूरा करने की दिशा में कुछ किया हो। पिछले 11 वर्षों से यह जरूर हो रहा है कि चीन जब–तब भारतीय सीमा का अतिक्रमण करते हुए भारत की कुछ न कुछ जमीन कब्जा कर लेता है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार खामोश बनी रहती है। यह स्थिति तब है जब मोदी अपने सभी पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों को अपने मुकाबले कमजोर और नाकारा बताते रहते हैं। उनकी पार्टी और सरकार का ढिंढोरची बन चुका गोदी मीडिया भी आए दिन फर्जी सर्वे के जरिये उन्हें देश का अब तक सबसे लोकप्रिय, शक्तिशाली और विजनरी प्रधानमंत्री और प्रभावशाली विश्व नेता बताता रहता है। बहरहाल, चीनी हमले से जुड़ा यह पूरा संदर्भ बताने का मकसद यह है कि उस समय संसद का कितना महत्व होता था और प्रधानमंत्री संसद को लेकर कितने संवेदनशील होते थे। अभी भारत और पाकिस्तान के बीच महज चार दिन की सैन्य झड़प हुई, जिसे लेकर सभी विपक्षी दलों ने एक स्वर में कहा कि वे पूरी तरह वे भारतीय सेना और सरकार के साथ हैं। यहां तक कि पहलगाम में जो आतंकवादी हमला इस सैन्य टकराव की वजह बना था, उस हमले को लेकर भी विपक्ष ने सरकार से कोई सवाल नहीं किया था। पिछले 11 साल में यह पहला मौका था जब समूचा विपक्ष पूरी तरह सरकार के साथ खड़ा था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी ने विपक्ष से मिले इस बिना शर्त समर्थन का जरा भी सम्मान नहीं किया। उल्टे प्रधानमंत्री की ओर से अलग–अलग मौकों पर विपक्ष पर कटाक्ष किए गए और उसे कमजोर करने की कोशिश की गई। यही नहीं, टीवी चौनलों पर होने वाली डिबेट में भी भाजपा के प्रवक्ता रोजाना विपक्षी नेताओं को देशद्रोही और पाकिस्तान व आतंकवादियों का हमदर्द बताते रहे। पहलगाम हमले से लेकर पाकिस्तानी सेना से टकराव होने तक सरकार ने दो बार सर्वदलीय बैठकें बुलाईं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी विपक्ष के प्रति हिकारत का भाव रखते हुए दोनों बैठकों में शामिल नहीं हुए। पहली बैठक के समय वे बिहार में रैली करने चले गए और दूसरी बैठक के समय वे राजधानी में ही एक निजी टीवी चौनल के कार्यक्रम में भाग लेते हुए उस चौनल की एंकरों के साथ फोटो खिंचवाने में व्यस्त रहे। पहलगाम हमले के बाद से लेकर पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव शुरू होने तक उन्होंने सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष और नेता विपक्ष से मिलना भी उचित नहीं समझा, जबकि इस दौरान वे अपनी पार्टी के नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुप्रीमो मोहन भागवत से जरूर मिले। एक तरह से वे ऑपरेशन सिंदूर को अपनी पार्टी और सरकार का कार्यक्रम ही मान कर चलते रहे।यही वजह रही कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम के बाद विपक्ष की ओर से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग को भी उन्होंने ठुकरा दिया। ऑपरेशन सिंदूर को सेना के कई पूर्व अधिकारी और सामरिक मामलों के विशेषज्ञों ने अचानक किए गए संघर्ष विराम पर हैरानी और निराशा जताते हुए कहा है कि भारत को इस अभियान के अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। सरकार ने अचानक संघर्ष विराम का कोई कारण बताने के बजाय इस आधे–अधूरे अभियान को ही अपनी बड़ी कामयाबी बताने और इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने की कवायद शुरू कर दी है। इस सिलसिले में विभिन्न दलों के सांसदों, पूर्व सांसदों और राजनयिकों के सात प्रतिनिधि मंडल बनाकर दुनिया के विभिन्न देशों में भेजे गए हैं। सरकार की ओर से इस कवायद का इस्तेमाल भी विपक्षी दलों में फूट डालने के लिए किया गया। उसने प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने के लिए विपक्षी सांसदों का चयन करने में संबंधित दलों के नेतृत्व की राय को नजरअंदाज करते हुए उन दलों से अपनी पसंद के सांसदों को चुना। सरकार की ओर से कहा गया कि 59 लोगों से बने ये सात प्रतिनिधिमंडल दस दिन तक दुनिया के अलग–अलग देशों में जाकर वहां की सरकारों को आतंकवाद के प्रति भारत के रूख और आपॅरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देंगे। यानी ये प्रतिनिधि मंडल सरकार की ओर से दुनिया भर के देशों को बताएंगे कि आतंकवाद के प्रति भारत की क्या नीति है और पाकिस्तान किस तरह अपने यहां आतंकवाद को प्रश्रय दे रहा है। भारतीय सेना के पराक्रम के बारे में भी दुनिया को अवगत कराया जाएगा। विपक्षी दल चाहते हैं कि यही सब बातें सरकार संसद में भी बताई जाएं, तो सरकार उसके लिए तैयार नहीं है। सवाल है कि जिन बातों की जानकारी दुनिया के तमाम देशों को देने के लिए भारत के वर्तमान व पूर्व सांसद और राजदूत आदि भेजे गए हैं, उन्हीं बातों को संसद में बताने से सरकार क्यों कतरा रही है? भारतीय सेना की ओर से हर दिन एक नया वीडियो जारी किया जा रहा है, जिनमें बताया जा रहा है कि सेना ने कैसे ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। यही नहीं, दो दिन तक भारत की तीनों सेनाओं के बड़े अधिकारियों ने मीडिया के सामने बैठ कर ऑपरेशन की तमाम तकनीकी और रणनीतिक जानकारियां दी हैं। इसके बाद ऐसी क्या संवेदनशील जानकारी बच जाती है, जिसकी चर्चा संसद में होने पर अनर्थ हो जाएगा? जाहिर है संसद का सत्र नहीं बुलाने के पीछे राजनीति है। सरकार सब कुछ एकतरफा तरीके से अपनी राजनीतिक सुविधा के मुताबिक कहना और करना चाहती है।संसद से मुंह चुराने और संसद का महत्व कम करने की मोदी की यह प्रवृत्ति नई नहीं है। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार संसद को अपने रसोई घर की तरह इस्तेमाल कर रही है, जिसमें वही सब पकता है जो सरकार चाहती है। हर राष्ट्रीय महत्व के सवाल पर वह संसद में चर्चा कराने से कतराती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

दो दिन का दौरा और ढेरों गलतियां

26 और 27 मई को दो दिन के गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रध ाानमंत्री मोदी ने वडोदरा, दाहोद, भुज, कच्छ, गांधीनगर तमाम जगहों पर कहीं भाषण दिए, कहीं रोड शो किए। इस दौरान उनका पूरा जोर आत्मप्रचार पर रहा। वैसे भी देश में श्री मोदी से पहले ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं हुआ जो इस कदर आत्ममुग्ध ा हो कि बात–बात में अपना नाम लेकर ही संवाद करे। लेकिन प्रधानमंत्री के भाषणों में अक्सर मोदी ने ये किया, मोदी ने वो किया, मोदी यह कर सकता है, यह मोदी की गारंटी है, जैसे वाक्य सुने जा सकते हैं। नाम के अलावा श्री मोदी का खासा ध्यान अपने परिधान पर भी रहता है। जैसे 26 मई की सुबह नरेन्द्र मोदी जब वडोदरा में थे तो लाल–पीले रंग की पगड़ी, सामने सूर्य के डिजाइन वाला ब्रोच, सफेद कुर्ते पर प्याजी रंग जैकेट उन्होंने पहनी थी, इसके बाद दाहोद में उन्होंने सफेद कुर्ते पर भगवा जैकेट पहनी और सिर पर हैलमेट लगाया क्योंकि लोकोमोटिव मैन्यूफैक्चरिंग वर्क शॉप का उद्घाटन करना था। फिर श्री मोदी पहुंचे भुज, जहां उन्होंने सफेद कुर्ते पर ग्रे रंग की जैकेट पहनी और उसके बाद शाम तक जब वो कच्छ पहुंचे तो सफेद कुर्ते पर धारीदार ग्रे जैकेट, रंग–बिरंगी बार्डर का सफेद पटका गले में और सिर पर कत्थई, हरे, लाल रंग की पगड़ी पहने नजर आए। 26 मई का दिन नरेन्द्र मोदी के लिए खास था, क्योंकि 2014 में इसी तारीख को उन्होंने पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। मगर क्या इस दिन को थोड़ा गरिमामय नहीं बनाया जा सकता था, क्या फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता से इसे दूर नहीं रखा जा सकता था, इस बारे में विचार करने की जरूरत है। गरिमामय शब्द का इस्तेमाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर को भुनाने के लिए जो रोड शो किया गया, उसमें कर्नल सोफिया कुरैशी का परिवार भी बाद में श्री मोदी के साथ आया। अब खुलासा हुआ है कि उन्हें जिला प्रशासन की तरफ से आने का संदेश मिला था। इन्हीं कर्नल कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले विजय शाह अब भी भाजपा में बने हुए हैं, लेकिन उनके परिवार को नरेन्द्र मोदी मंच पर साथ रख रहे हैं। उधर भुज में जो भाषण नरेन्द्र मोदी ने दिया, वैसी भाषा कभी किसी प्रधानमंत्री ने इस्तेमाल नहीं की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंक की बीमारी से मुक्त करने के लिए पाकिस्तान की अवाम को भी आगे आना होगा। सुख–चौन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही। पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का संदेश दिया जा सकता है, लेकिन किसी देश विशेष का नाम लेकर वहां की जनता को कुछ कहना यह विदेश नीति के तकाजों के खिलाफ है, लेकिन श्री मोदी किसी तकाजे पर कहां यकीन करते हैं। जिस तरह वे ट्रंप के लिए वोट मांग आए थे, वैसे ही उन्होंने पाकिस्तानी जनता को आगे आने की सलाह दे दी। और उसके बाद मेरी गोली तो है ही, वाली बात कहकर और बड़ी भूल कर दी। क्योंकि भारत की अब तक यही नीति रही है कि वह पहले से किसी पर आक्रमण नहीं करता, केवल आत्मरक्षा के लिए जवाब देता है। मगर यहां प्रधानमंत्री जिस धमकी वाले अंदाज में बात कर रहे हैं, वह बी ग्रेड फिल्मों का घटिया संवाद हो सकता है, प्रधानमंत्री के भाषण में उसकी जगह नहीं होनी चाहिए थी। लेकिन शायद श्री मोदी का अभिनय की तरफ इतना झुकाव बढ़ गया है, या शेक्सपियर से वे इतना प्रभावित हैं कि उनकी लिखी दुनिया एक रंगमंच है, पंक्ति को उन्होंने देश एक रंगमंच है में तब्दील कर दिया है और अब वे इसी रंगमंच पर दिन–रात अभिनय करना चाहते हैं। सोमवार के भाषण की गलतियां मंगलवार को भी जारी रहीं। मंगलवार 27 मई को पं.नेहरू की पुण्यतिथि थी, इस अवसर पर श्री मोदी ने एक लाइन की पोस्ट लिखकर अपनी श्रद्धांजलि तो अर्पित की, लेकिन गांधीनगर के भाषण में उन्होंने फिर से बिना नाम लिए प.नेहरू पर कश्मीर समस्या और भारत–पाक विभाजन का इल्जाम लगा दिया। उन्होंने कहा 1947 में मां भारती के टुकड़े हुए। कटनी चाहिए थी जंजीरें लेकिन काट दी गईं भुजाएं। देश के तीन टुकड़े कर दिए गए और उसी रात पहला आतंकी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर, मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया। अगर उसी दिन इन मुजाहिदीनों को मौत के घाट उतार दिया गया होता और सरदार पटेल की बात मान ली गई होती, तो 75 साल से चला आ रहा ये सिलसिला (आतंकी घटनाओं का) देखने को नहीं मिलता। इतिहास की घटनाओं की आध ाी–अधूरी, मनमानी व्याख्या और उसे गलत संदर्भों के साथ पेश करना नैतिक और वैचारिक तौर पर सही नहीं है, मगर यहां भी प्रधानमंत्री ने तकाजों को किनारे कर दिया। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर को राष्ट्रवाद के लिए इस्तेमाल करते हुए उन्होंने जब विदेशी सामान न खरीदने की सलाह जनसमुदाय को दी तो फिर दो बड़ी गलतियां कर बैठे, पहली तो यह कि उन्होंने कहा कि गणेश जी की मूर्ति से लेकर होली की पिचकारी तक सब विदेश से आता है। लेकिन क्या प्रधानमंत्री यह नहीं जानते कि देश में व्यापार, आयात–निर्यात, विपणन सबके नियम सरकार ही बनाती है। अगर विदेश से यह सब आकर हमारे बाजारों में अटा पड़ा है तो इसके लिए सरकार जिम्मेदार है न कि जनता। खुद नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया तामझाम से शुरु करवाया था, क्या अब वे अपनी नाकामी को ही बता रहे थे। दूसरी गलती, उन्होंने कहा कि आज छोटी आंखों वाले गणेश जी भी विदेश से आ जाते हैं, गणेश जी की आंख भी नहीं खुल रही है। यह वाक्य सीधे–सीधे शारीरिक संरचना का मजाक उड़ाना है। छोटी आंख कहकर श्री मोदी भले ही चीन की तरफ इशारा कर रहे हों, लेकिन यह किसी लिहाज से सही नहीं है। क्योंकि चाहे चीन के बाशिंदे हों या हमारे अपने देश में पूर्वोत्तर के लोग, उनके नैन–नक्श को लेकर ऐसी टिप्पणी करना बेहद अशोभनीय है। लेकिन फिलहाल ऐसा लग रहा है कि नरेन्द्र मोदी अपने पद के दायित्व और गरिमा सब ताक पर रखकर केवल चुनावों को ध्यान में रख रहे हैं और इसलिए तालियां बटोरने की कोशिश में यह सब कह रहे हैं। मगर इससे अंततरू देश की प्रतिष्ठा दांव पर लग रही है।

जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की साउथ मीट नॉर्थ लव स्टोरी

> परम सुंदरी के पहले लुक के टीज़र में सिद्धार्थ और जान्हवी की नई जोड़ी और उनकी अनोखी केमिस्ट्री की झलक देखने को मिलती है। बॉलीवुड एक्टर जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म परम सुंदरी लंबे समय से चर्चा में है। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, दर्शक एक नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी और एक नया रोमांटिक ड्रामा देखने के लिए उत्साहित हैं। गुरुवार को मेकर्स ने दर्शकों को धमाकेदार सरप्राइज दिया।

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म भूल चुक माफ़ के साथ सिनेमाघरों में प्रीमियर के बाद, सिद्धार्थ मल्होत्रा घ्और जान्हवी कपूर की रोमांटिक कॉमेडी परम सुंदरी का पहला लुक आज डिजिटल रूप से रिलीज़ हो गया है। तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा समर्थित किया गया है। परम सुंदरी के पहले लुक के टीज़र में सिद्धार्थ और जान्हवी की नई जोड़ी और उनकी अनोखी केमिस्ट्री की झलक देखने को मिलती है। बॉलीवुड एक्टर जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म परम सुंदरी लंबे समय से चर्चा में है। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, दर्शक एक नई ऑन–स्क्रीन जोड़ी और एक नया रोमांटिक ड्रामा देखने के लिए उत्साहित हैं। गुरुवार को मेकर्स ने दर्शकों को धमाकेदार सरप्राइज दिया। जी हाँ! परम सुंदरी की पहली झलक रिलीज़ हो गई है और सिड और जान्हवी के अलावा, सोनू निगम, जो अपने बेहतरीन काम, यानी अपनी मधुर गायकी से इंटरनेट पर छाए हुए हैं। टीजर में सिद्धार्थ को पुरुष नायक परम के रूप में पेश किया गया है, जो शुरुआती दृश्य में अपनी फिट काया को प्रदर्शित करता है। इसके बाद, हम जान्हवी को सुंदरी के रूप में देखते हैं, जो हाथ के पंखे के पीछे अपनी खूबसूरत आँखें फड़फड़ाती हैं। फिर दृश्य केरल के आश्चर्यजनक बैकवाटर और हाउसबोट में बदल जाते हैं, जिसमें मुख्य पात्र सोनू निगम के भावपूर्ण संगीत के साथ रोमांटिक बाइक की सवारी का आनंद लेते हैं। इसके बाद उनकी प्रेम कहानी में आने वाले नाटकीय क्षणों की झलकियाँ दिखाई जाती हैं। साइड नोट में लिखा है, जहाँ उत्तर की आग दक्षिण की कृपा से मिलती है, वहाँ साल की सबसे बड़ी प्रेम कहानी की आवश्यकता होती है! दिनेश विजान तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित एक प्रेम कहानी परम सुंदरी प्रस्तुत करते हैं, जो 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में आ रही है। रुपरमसुंदरी का पहला लुक अभी जारी किया गया है। नेटिज़ेंस ने फ़र्स्ट लुक वीडियो पर प्रतिक्रिया दी। एक ने टिप्पणी की, सिद्धार्थ मल्होत्रा 11 साल बाद शुद्ध रोम कॉम में हैं और यह लंबा इंतज़ार पूरी तरह से सार्थक है, टीज़र और गाने बहुत पसंद आए। सिड, इंतज़ार नहीं कर सकता। एक अन्य ने कहा, जान्हवी के हाव–भाव + सिड का आकर्षण = सिनेमाई सोना। एक नेटिजन ने लिखा, यह जोड़ी बिल्कुल नई लगती है और स्क्रीन पर पूरी तरह से काम करती है। मैडॉक के सारांश के अनुसार, परम सुंदरी प्यार की एक दिल को छू लेने वाली कहानी का वादा करती है, जहाँ दो दुनियाएँ टकराती हैं, और चिंगारी उड़ना तय है। केरल के लुभावने बैकवाटर के खिलाफ सेट, यह प्रेम कहानी हँसी, अराजकता और अप्रत्याशित मोड़ का एक रोलरकोस्टर है जो आपने आने वाले समय में नहीं देखा होगा। परम सुंदरी 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

वापसी पर बोले फरदीन खान, दर्शकों और निर्माताओं के प्यार के लिए आभारी हूं

अभिनेता फरदीन खान अपकमिंग फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आएंगे। हाउसफुल उनकी चौथी फिल्म है। खान ने एक साल में तीन अलग–अलग भूमिकाएं निभाकर पर्दे पर वापसी के बारे में बात की। उन्होंने वापसी और शानदार किरदार के लिए फिल्म निर्माताओं और दर्शकों का आभार जताया।फरदीन मंगलवार को मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए, जहां मीडिया ने उनसे निर्देशकों के साथ उनकी पिछली तीन फिल्मों में उनके लगातार प्रदर्शन के बारे में पूछा। वहीं, 'हाउसफुल 5' चौथे नंबर पर है। अभिनेता ने ट्रेलर लॉन्च के मौके पर मीडिया से कहा, जब मैं वापस आने के बारे में सोचता हूं तो ऐसा लगता है कि मैं दूसरी बार आया हूं। अपने को–स्टार्स के साथ प्यार और सम्मान के साथ मिलने और फिर से काम करने के लिए आभारी और उत्साहित हूं। 12 साल की अवधि के बाद वापसी करना कुछ ऐसा नहीं है जिसकी आप योजना बनाएं। मैंने बस इसके लिए तैयारी की है। मुझे बस इतना पता था, यह वही है जो मैं करना जानता हूं। मुझे सेट पर होने की याद आती है। मुझे कहानियां सुनाने का हिस्सा बनने की याद आती है। मुझे उन लोगों के बीच होने वाले जुड़ाव की याद आती है जिनके साथ आप गहरे रूप से लंबे समय तक काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए हाउसफुल 5 चौथी रिलीज होगी और यह सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रैंचाइज भी है। हिंदी फिल्म इतिहास की सबसे सफल कॉमेडी फ्रैंचाइज होगी जो सभी को खुशी और प्यार देने के लिए तैयार है। दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। मेरे लिए इसके जरिए वापसी एक जश्न की तरह है। फरदीन ने कहा, "मैं दर्शकों का और उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया, जिन्होंने सोचा कि मेरे पास कुछ दौर बाकी हैं, जिन्होंने मुझे इस तरह की प्रतिभा के साथ काम करने का मौका दिया और विशेष रूप से साजिद नाडियाडवाला का आभारी हूं।

बारिश के कारण रुकी फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग रुकी, रणबीर कपूर और विक्की कौशल ने लिया ब्रेक

संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर रिलीज से पहले काफी चर्चा में बनी है। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल स्टारर इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार था, लेकिन दर्शकों को इसे देखने के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। जी हां, हाल ही में खबर सामने आई है कि फिल्म की शूटिंग रुक गई है। बताया जा रहा हैं कि मुंबई में भारी बारिश के कारण लव एंड वॉर की शूटिंग रुक गई है। इतना ही नहीं, बारिश की वजह से फिल्म सेट को भी नुकसान हुआ है। एक सोर्स के हवाले से लिखा गया, श्एक अहम ड्रामैटिक सीक्वेंस था जो कि आउटडोर शूट होना था और उसके लिए पर्टिकुलर लाइटिंग की जरुरत थी, लेकिन पान भरने और मौसम खराब होने की वजह से ये पॉसिबल नहीं है। संजय लीला भंसाली सीन की विजुअल क्वालिटी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं करना चाहते हैं। साथ ही वो क्रू की सेफ्टी भी देख रहे हैं। 500 से ज्यादा की यूनिट है और कुछ लोग दूर के इलाकों में रहते हैं और उनके लिए सेट तक पहुंचना मुमकिन नहीं है क्योंकि बारिश की वजह से ट्रेन देरी से चल रही हैं। सूत्र ने आगे बताया, श्रणबीर और विक्की को इस हफ्ते लव एंड वॉर के लिए ब्लॉक किया था। इस सीक्वेंस के लिए आलिया की जरुरत नहीं थी, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से विक्की और रणबीर ने ब्रेक लिया है। शूट इस हफ्ते के अंत तक शुरू होने की खबरें हैं जैसे ही मौसम ठीक होता है। ये छोटी सी रुकावट है, इससे पूरा शेड्यूल खराब नहीं होगा। पिछले दिनों खबरें सामने आई थीं कि विक्की कौशल ने 15 किलो और रणबीर ने इस फिल्म के लिए 12 किलो वजन कम किया है।

31 हजार की कॉफी देख दिलजीत दोसांझ का हुआ गजब हाल, मजेदार अंदाज में सुनाया किस्सा

> दिलजीत दोसांझ ने वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "लंदन की सबसे महंगी कॉफी।" वीडियो में दिलजीत एक होटल में कॉफी पीते नजर आए, जहां वह मेन्यू देखते हुए मजाकिया अंदाज में कहते हैं, जापान टाइपिका नेचुरल कॉफी, जिसकी कीमत २६५ पाउंड है, मतलब कि ये इंडिया का ३१ हजार रुपये हो गया और इतने रुपयों में तो मैं इंडिया में ब्याह देख लेता।

गायक–अभिनेता दिलजीत दोसांझ सोशल मीडिया पर अक्सर मजेदार वीडियो शेयर करते रहते हैं। लेटेस्ट वीडियो में उन्होंने मजेदार अंदाज में एक किस्सा शेयर किया, जिसमें वह लंदन में 31 हजार की कॉफी पीते नजर आए। दिलजीत दोसांझ ने वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "लंदन की सबसे महंगी कॉफी।" वीडियो में दिलजीत एक होटल में कॉफी पीते नजर आए, जहां वह मेन्यू देखते हुए मजाकिया अंदाज में कहते हैं, जापान टाइपिका नेचुरल कॉफी, जिसकी कीमत 265 पाउंड है, मतलब कि ये इंडिया का 31 हजार रुपये हो गया और इतने रुपयों में तो मैं इंडिया में ब्याह देख लेता। यही नहीं वह वेटर को आवाज देते हुए कहते हैं कि कॉफी के साथ जलेबी, लस्सी भी लेते आना। इससे पहले दिलजीत दोसांझ ने स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने रसोइये को एक मजेदार अंदाज में शिकायत करते नजर आए। वीडियो में दोसांझ कुक से कहते हैं, आप बहुत बुरे हैं दद्दू, आज इस घर में आखिरी दिन है और मैं 2–3 दिन से पनीर बनाने को कह रहा था, आज यहां आखिरी दिन है तो इनको सब खत्म करना है। आज सुबह ही पनीर मिल रहा है और कल रात मछली में इतना नमक था। अब समझ में आ गया है, अगर हमें यहां से जाना है, तो सब खत्म करना होगा, नमक भी। उन्होंने आगे कहा, भाई, हमें नमक खत्म करके नहीं जाना है। एक्टिंग और सिंगिंग में अपने प्रशंसित काम के अलावा, दिलजीत दोसांझ अपने खाने के वीडियो पर अपनी जीवंत और मनोरंजक कमेंट्री के लिए भी लोकप्रिय हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने खाना पकाने के रोमांच की झलकियां साझा करते हैं। वह मजेदार अंदाज में फूड वीडियो डालते हैं, जिसमें न केवल रेसिपी बल्कि खाना पकाने का नया अंदाज भी दिखता है।

अमृता सुभाष ने बताया, क्या है जीवन जीने की कला

अभिनेत्री अमृता सुभाष की अपकमिंग फिल्म चिड़िया रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच, अभिनेत्री ने एक कलाकार के तौर पर अव्यवस्था में व्यवस्था खोजने की अपनी प्रक्रिया और अपने फायदे के रूप में इस्तेमाल करने पर बात की। अभिनेत्री का मानना है कि यही जीवन जीने की कला है। अभिनेत्री ने अपनी फिल्म की रिलीज से पहले समाचार एजेंसी से बात की और कहा कि वह खुद को शांत करने के लिए सभी 5 इंद्रियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। अव्यवस्था में व्यवस्था खोजने की अपनी प्रक्रिया के बारे में उन्होंने बताया, मुझे लगता है कि हमें न केवल प्रदर्शन में बल्कि जीवन में भी इन बातों को अपनाना होगा। यही जीवन जीने की कला है। इसके लिए, मेरे पास कुछ संसाधन हैं, जैसे मनोचिकित्सा। मेरे पास एक बहुत अच्छा संसाधन है, जिसका मैं बहुत उपयोग करती हूं और वो हैं पांच इंद्रियां। आप उलझन या अव्यवस्था में हैं और आपको किसी ऐसे सीन की शूटिंग करनी है, जो एकदम शांत या संवेदनशील है, तो ऐसे में आपको अपनी मानसिक शांति पर काम करना होगा। इसके लिए बेस्ट तरीका है अपनी पांचों इंद्रियों पर ध्यान केंद्रित करना।उन्होंने आगे बताया, ष्मेरे पास एक दृष्टि है। मैं अपने आस–पास कुछ देखती हूं, उस पर ध्यान केंद्रित करती हूं। यहां तक कि मैं एसी की आवाज सुनती हूं, तो भी अपनी सारी ऊर्जा और ध्यान एसी की आवाज पर लगाती हूं या मैं बस अपने कपड़े को छूती हूं और विचार करती हूं कि कपड़े की बनावट कैसी है? मैं आज से नहीं बल्कि कई सालों से ऐसा करती आ रही हूं।

नॉर्मल या सिजेरियन डिलीवरी के कितने दिन बाद वर्कआउट करना है सही?

प्रेग्नेंसी का समय हर महिला के लिए खुशी का पल होता है। लेकिन इसके साथ ही उन्हें कई सारी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है जैसे मूड स्विंग्स और वजन का बढ़ना। वहीं डिलीवरी के तुरंत बाद महिलाएं बॉलीवुड दीवाज को देख– देखी जल्दी से फिट होना चाहती हैं, हालांकि डॉक्टर्स नॉर्मल या सिजेरियन डिलीवरी के बाद आराम करने की सलाह देते हैं। डिलीवरी के बाद जरूरत होती है हेल्दी डाइट और भरपूर आराम की, इससे वजन और भी बढ़ सकता है। ऐसे में महिलाएं सोचती हैं कि डिलीवरी के कितने दिन बाद वर्कआउट करना सही है। तो चलिए हम आपको बताते हैं एक्सपर्ट्स की राय....

डिलीवरी के बाद कब से कर सकते हैं वर्कआउट

एक्सपर्ट्स की मानें तो नॉर्मल या सिजेरियन डिलीवरी के बाद कम से कम 6 हफ्ते तक तो आराम ही करें। इस दौरान किसी भी तरह की एक्सरसाइज या फिजिकल एक्टिविटीज न करें। नॉर्मल या सिजेरियन डिलीवरी होने के बाद शरीर काफी कमजोर हो जाता है, जिसका असर पेट, पीठ और हिप्स में नजर आता है। ऐसे में कम से कम 40–45 दिन बाद शरीर धीरे– धीरे मजबूत हो पता है। इसके बाद ही किसी तरह की एक्सरसाइज शुरू करनी चाहिए। डिलीवरी के 2 हफ्ते के बाद हल्की कीगल्स एक्सरसाइज कर सकती है।

लाइट वर्कआउट है बेस्ट

एक्सपर्ट्स की मानें तो 2 हफ्ते के अंदर वॉर्किंग जैसी लाइट एक्सरसाइज शुरू कर सकती है। हालांकि एक्सरसाइज शुरू करने से पहले आपको किसी हेल्थ एक्सपर्ट से सलाह जरूर लेनी चाहिए। इसमें इस बात का भी ध्यान रखें कि अगर आप शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से हेल्दी हैं तो हल्के योगासन और प्राणायम भी कर सकती है। इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी भी पिएं। ये हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होगा।

गर्मियों में पाना चाहती हैं खिली–खिली त्वचा तो ऐसे करें स्किन केयर, चेहरे पर आएगा गजब का ग्लो

मई के महीने में गर्मी अपने चरम पर होती है। धूल भरी आंधी और तेज चिलचिलाती धूप से हर व्यक्ति परेशान रहता है। इस मौसम में हर किसी को अपनी सेहत का खास ख्याल रखना पड़ता है। गर्मियों में सेहत के साथ–साथ स्किन का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी होता है। स्किन केयर न करने पर कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। वैसे तो मौसम में हिसाब से मार्केट में कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट मिल जाते हैं, जो आपकी स्किन को राहत पहुंचाते हैं। हालांकि कई बार मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट स्किन को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में स्किन पर कुछ भी इस्तेमाल करने से पहले इसका पैच टेस्ट करना जरूरी होता है। बता दें कि गर्मियों में त्वचा का ध्यान रखने के दौरान लोग कई छोटी–छोटी ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिसके कारण उनके त्वचा की चमक खो जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गर्मी के मौसम में मौसम त्वचा का सही से ध्यान रखने के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपका फेस दमकता रहे।

फेस वॉश

आज के समय पॉल्यूशन काफी ज्यादा बढ़ गया है। ऐसे में सुबह के अलावा शाम को सोने से पहले फेस जरूर धो लें। इसके लिए आप अच्छे फेसवॉश का इस्तेमाल करना चाहिए। जिससे आपकी स्किन को किसी तरह की परेशानी न हो। अगर आप दिन में अधिक बार चेहरा धोते हैं, आपकी स्किन रूखी हो सकती है।

शीट मास्क

गर्मी के मौसम में स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए शीट मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। शीट मास्क काफी कम दाम में मिल जाता है। इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन ग्लो करने लगती है। लेकिन शीट मास्क खरीदने के दौरान अपनी स्किन टाइप का जरूर ध्यान रखना चाहिए, जिससे आपको कोई समस्या न हो।

टोनर

गर्मियों में हमारी त्वचा काफी डल हो जाता है। स्किन केयर के दौरान टोनर का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आपकी त्वचा फ्रेश और हेल्दी रहेगी। टोनर आपकी स्किन हाइड्रेट रखने में सहायक होता है। हालांकि टोनर खरीदने के दौरान इसकी क्वालिटी जरूर परख लेनी चाहिए। आप चाहें तो होममेड टोनर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

सीरम

अगर गंदे चेहरे पर सीरम का इस्तेमाल करती हैं, तो यह आपकी स्किन को डैमेज कर सकता है। ऐसे में सीरम का इस्तेमाल करने से पहले स्किन को अच्छे से साफ कर लें। तभी यह आपकी त्वचा को फायदा पहुंचाएगा।

स्टैमिना बूस्ट करने का काम करते हैं ये 7 अहार, आज ही करें इन्हें डाइट में शामिल

नारी डेस्करू हमारा आज कल का रेहन–सहन ऐसा हो गया है की शरीर को थोड़ी सी मेहनत करनी नहीं पड़ती की हमें थकान हो जाती है। बच्चों से लेकर बड़ों तक का यही हाल हो चुका है। ऐसे में इसकी एक वजह यह है की हमारा खान–पान दिन पर दिन खराब होता जा रहा है। इस वजह से शरीर के लिए उसकी दैनिक जरूरतों और काम की अधिकता के हिसाब से कैलोरी और न्यूट्रिशन्स नहीं मिल पाते हैं। इसलिए हमें अपनी डाइट में कुछ ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए जिससे हम हेल्दी भी रहें और हमारा स्टैमिना भी बढ़े, इनसे हमें जल्दी थकावट भी नहीं होगी। तो चलिए अब जानते हैं कौन सी हैं वह चीजें।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का सेवन हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसमें बहुत से पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। चुकंदर का जूस आपकी मांसपेशियों को मजबूत तो करेगा ही और स्टैमिना भी बढ़ाएगा। इसका जूस उन सभी लोगो के लिये आवश्यक है तो हार्ड वर्क करते हैं।

रंग बिरंगी सब्जियां

सब्जियां हमारी अछि सेहत के लिए जरुरी होती हैं। शरीर में नाइट्रेट का स्तर बढ़ाने वाले पदर्थों का सेवन करें। इसके लिए रंग बिरंगी सब्जियों के जूस का सेवन करें।

अंगूर, अमरूद और संतरे

विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करें जैसे अंगूर, अमरुद और संतरा आदि। विटामिन सी से शरीर का अधिक देर तक काम करने पर भी थकान का अनुभव नहीं होता। इससे आपका स्टेमिना बढ़ने में मदद मिलती है।

गेंहू की रोटी और इससे बनी अन्य चीजें

अनाज खाने से भी स्टैमिना बढ़ता है इसलिए गेंहू की रोटी और इससे बनी अन्य चीजों का सेवन अवश्य करें। इससे आप आसानी से काम भी कर पाएंगे और थकावट भी नहीं होगी।

मूंग की दाल

मूंग की दाल को अंकुरित करके खाने या उबालकर खाने से भी स्टैमिना बढ़ जाता है। इसलिए रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

दूध और दूध से बने पदार्थ

विटामिन बी से बनी चीजे अर्थात दूध और दूध से बने पदार्थ, चीज आदि भी धीरे धीरे आपका स्टैमिना बढ़ाते है। ऐसे में फिर चाहे आपको इन चीजों का सेवन पसंद न भी हो तो भी आपको जरूर कहानी चाहिएं।

ओट मील का सेवन

इन सबके आलावा आप ओट मील का सेवन भी कर सकते हैं। इसका सेवन भी हमारे शरीर में स्टेमिना बढ़ा कर हमें स्ट्रांग बनाने का काम करता है। इसे भी आप अपनी डाइट में जरूर शामिल कर सकते हैं।

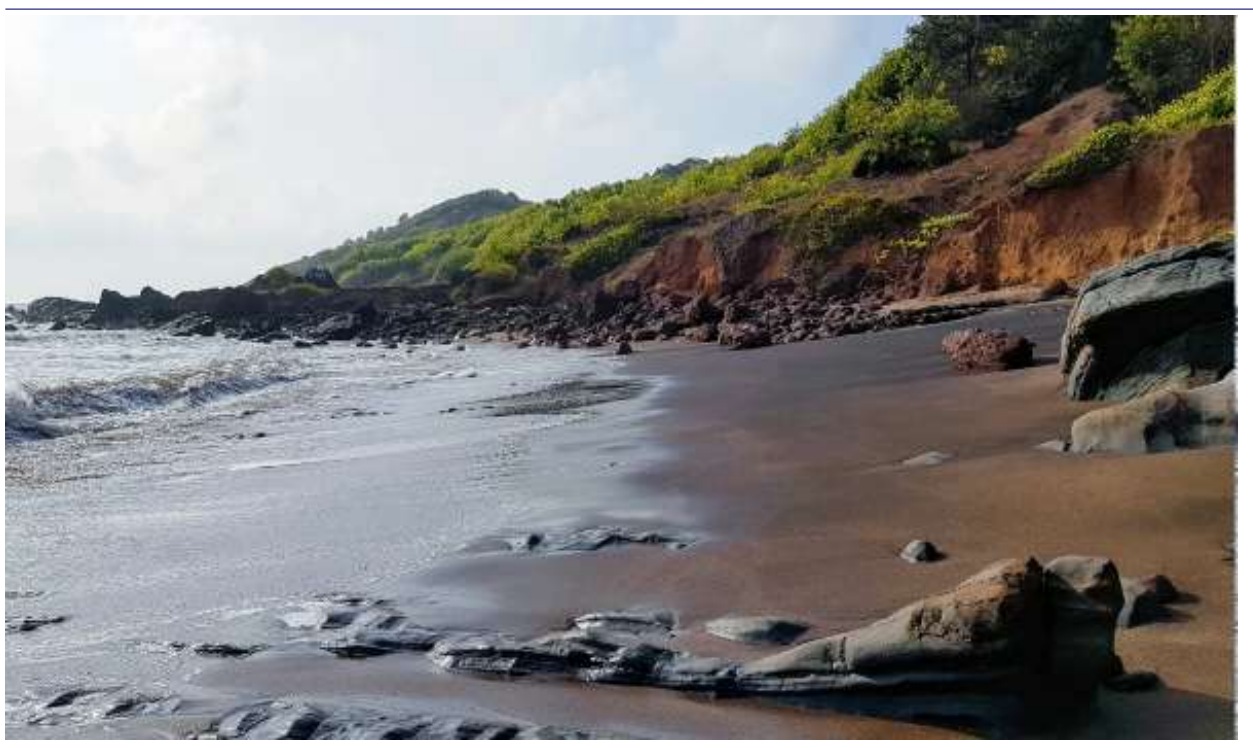

छुट्टियों में मोरिजम बीच के नजदीक इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर , मिलेगा शांत वातावरण

अगर कहीं भी घूमने की बात आती है तो उसमें गोवा का नाम जरुर लिया जाता है। गोवा में नाइटलाइफ, पार्टी और कार्निवल के लिए काफी फेमस है। यहां पर प्राकृतिक रुप से सुंदरता, खूबसूरत समुद्र तटों और टेस्टी फूड के लिए जाना जाता है। यहां पर कई बीचेस हैं जो आपको रिलैक्सिंग फील करवाते हैं। इन्हीं बीचेस में से एक है मोरजिम बीच। यहां तुलनात्मक रुप से कम भीड़ होती है, इसलिए यहां पर वक्त बिताना एक अच्छा विचार हो सकता है। यहां पर कई खूबसूरत जगहें जिन्हें आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। चलिए आपको इन जगहों के बारे में बताते हैं।

चपोरा फोर्ट

चपोरा फोर्ट मोरजिम से लगभग 10 किमी दूरी पर स्थित है। यह ऐतिहासिक किला अरब सागर और चपोरा नदी के आश्चर्यजनक मनोरम दृश्य को प्रस्तुत करता है। इस प्राचीन लेटराइट किले का एक लंबा और विविध इतिहास है। अगर आप इतिहास में रुचि है तो आपको मोरजिम बीच के करीब इस किला को जरुर देखने जाएं।

अंजुना बीच

मोरजिम बीच से करीबन 12 किमी की दूरी पर अंजुना बीच है। यह बीच गोवा की सबसे फेमस है और यह बोहेमियन वाइब के लिए जाना जाता है। बता दें, बुधवार के दिन यहां पर लगने वाली मार्केट से आप काफी कुछ खरीद सकते हैं। अंजुना बीच पर प्रसिद्ध झोपड़ियां और क्लब हैं, जो रात भर फुल–ब्लास्ट मोड में डांस करने के लिए इसे बेहतरीन प्लेस बनाते हैं। यहां पर आप सनराइज और सनसेट के दौरान कई खूबसूरत तस्वीरों को क्लिक कर सकते हैं।

अरामबोल बीच

मोरजिम के उत्तर में अरामबोल बीच पर मस्त शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर एक मीठे पानी की झील, एक आकर्षक बाजार और योग और ताई ची जैसी कई एक्टिविटीज है, जिन्हें आप यहां कर सकते हैं।

मोरजई मंदिर

अगर आप गोवा में घूमते हुए एक अलग कल्चर का अनुभाव करना चाहते हैं तो ऐसे में आप मोरजिम बीच के पास मोरजई मंदिर जा सकते हैं। मोरजिम में स्थित यह मंदिर देवी मोरजई को समर्पित है। इस मंदिर का आर्किटेक्चर बहुत ही सुंदर है। मंदिर में शांत वातावरण आपको सुखद अहसास करवाता है।

महिलाओं की मांग में सजने वाले सिंदूर का भी होता है पौधा, यहां जानें कहां मिलता है ये

सिंदूर का भारतीय संस्कृति में बड़ा महत्व है, अब इसकी ताकत पूरी दुनिया ने देखी। पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया। इस ऑपरेशन से महिलाओं को ये संदेश दिया गया कि अगर कोई उनके सिंदूर पर बुरी नजर रखेगा तो उसका अंजाम बहुत बुरा होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुजरात के पहले दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी का शुक्रिया अदा करने के लिए उन्हें खास तोहफा दिया गया।

पीएम को मिला खास पौधा

पीएम मोदी को कच्छ में 1971 के युद्ध की वीर महिलाओं ने सिंदूर का पौधा भेंट किया। पीएम मोदी ने इस पौधे को नई दिल्ली स्थित लोक कल्याण मार्ग के अपने निवास में लगाने का ऐलान किया है।बहुत से लोग अब तक सिंदूर के पौधे को लेकर अंजान थे। बता दें कि इसे इसे अंग्रेजी मेंष्फ्लेम ऑफ द फॉरेस्ट कहते हैं। इसमें लाल कलर के फल उगते हैं, इसकी मदद से ही पाउडर और लिक्विड फॉर्म में सिंदूर या लिपस्टिक बनाई जाती है।

कैसा होता है सिंदूर का पौधा ?

सिंदूर बनाने के लिए आमतौर पर कुसुंबा या कुमकुम के पौधे का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, कुछ जगहों पर पलाश के पौधे से भी सिंदूर तैयार किया जाता है। पलाश को अंग्रेजी में फ्लेम ऑफ द फॉरेस्ट कहा जाता है। कुसुंबा और पलाश पौधे की पत्तियां और बीज में प्राकृतिक रंग होता है, जिसका उपयोग सिंदूर बनाने में किया जाता है।सिंदूर के लिए उपयोग किए जाने वाले पौधे, जैसे कि पलाश और कुसुंबा, भारत के विभिन्न हिस्सों में उगाए जाते हैं

सिंदूर बनने की प्रक्रिया

कुसुंबा के पौधे के फूल और बीज से नारंगी और लाल रंग का प्राकृतिक पाउडर प्राप्त किया जाता है। इसे सूखा कर और पिसा कर पाउडर बनाया जाता है, जिसे सिंदूर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। वहीं पलाश के फूलों को सुखाया जाता है और फिर उनका रंग निकाला जाता है। इस प्राकृतिक रंग को सिंदूर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें प्राकृतिक लाल रंग होता है, जो सिंदूर का मुख्य गुण होता है। कमीला के पेड़ से निकले वाले संदूर का प्रयोग उच्च श्रेणी की लिपस्टिक बनाने में किया जाता है, इससे दवाएं भी बनती है।

घर में इस तरह उगाएं सिंदूर का पौधा

अगर आप सिंदूर का पौधा घर में लगाना चाहते हैं, तो सही बीज का चुनाव करना बहुत जरूरी है। सिंदूर के पौधे और फल के विकास के लिए आप जैविक खाद का ही इस्तेमाल करें। इसके अलावा गाय, भैंस आदि जानवर के गोबर को भी खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। लगभग दस से बारह महीने बाद पौधे में फल होने लगता है जिसे आप पकने तक छोड़ दें। जब फल लाल रंग का हो जाए तो आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिंदूर का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

सिंदूर का हिंदू धर्म में एक विशेष महत्व है। इसे विवाहित महिलाओं द्वारा मांग में लगाया जाता है, और यह वैवाहिक जीवन का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक अनुष्ठानों और त्योहारों में भी सिंदूर का इस्तेमाल होता है, जैसे कि दुर्गा पूजा में देवी दुर्गा को सिंदूर चढ़ाया जाता है।इस प्रकार, सिंदूर का पौधा प्रकृति से प्राप्त एक महत्वपूर्ण तत्व है, और इसे पारंपरिक रूप से प्राकृतिक तरीकों से बनाया जा सकता है।

संक्षिप्त

अनुमान : बंपर पैदावार से रिकश्वर्ड 35.39 करोड़ टन अनाज का उत्पादन संभव, गेहूं का इस साल नहीं होगा आयात-निर्यात

नई दिल्ली। देश में प्रमुख फसलों की बंपर पैदावार को देखते हुए सरकार ने बुधवार को फसल वर्ष 2024–25 के लिए अनाज उत्पादन अनुमान को संशोधित कर रिकॉर्ड 35.39 करोड़ टन कर दिया है। इसमें अकेले गेहूं का उत्पादन 11.75 करोड़ टन रहने का अनुमान है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, देश ने धान, गेहूं, मक्का, मूंगफली और सोयाबीन सहित प्रमुख फसलों के उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि हासिल की है। कुल मिलाकर, अनाज उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। दलहन–तिलहन उत्पादन को और बढ़ाना होगा, जिसके लिए प्रयास जारी है। तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक, फसल वर्ष 2024–25 में गेहूं उत्पादन के अनुमान को संशोधित कर 11.75 करोड़ टन कर दिया गया, जबकि पहले 11.53 करोड़ टन का अनुमान लगाया गया था।घपिछले साल 11.33 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन हुआ था। धान का उत्पादन रिकॉर्ड 14.90 करोड़ टन हो सकता है, जो फसल वर्ष 2023–24 के 13.78 करोड़ टन से अधिक है। मक्का उत्पादन 4.23 करोड़ टन होने का अनुमान है। मोटे अनाजों का उत्पादन 62.1 लाख टन रह सकता है, जो पिछले वर्ष से अधिक है।

रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर 85.45 प्रति डॉलर पर

रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.45 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में लिवाली से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.56 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.45 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया

बुधवार को डॉलर के मुकाबले 85.38 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.18 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 350.27 अंक चढ़कर 81,662.59 अंक पर जबकि निफ्टी 94.05 अंक की बढ़त के साथ 24,846.50 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65.62 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,662.92 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

घरेलू शेयर बाजार में लौटी हरियाली, सेंसेक्स-निफ्टी ने लगाई छलांग

मुंबई। बीते दिन की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार ने गुरुवार को वापसी की। बाजार खुलते ही निवेशकों के चेहरे खिल उठे। बाजार में हरियाली देख सकारात्मक कारोबारी की उम्मीद बढ़ गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 504.57 अंक उछलकर 81,816.89 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 137.25 अंक चढ़कर 24,889.70 पर पहुंचा।

दो दिनों की गिरावट के बाद बाजार में उछाल

इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में दो दिनों की गिरावट के बाद गुरुवार को शुरुआती कारोबार में उछाल आया। अमेरिकी टैरिफ के मोर्चे पर सकारात्मक घटनाक्रमों के बीच एशियाई बाजारों में तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजार गुलजार रहा। इसके अलावा विदेशी फंड के प्रवाह ने इक्विटी बाजारों को ऊपर की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

किसे फायदा–किसे नुकसान?

30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 504.57 अंक उछलकर 81,816.89 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 137.25 अंक चढ़कर 24,889.70 पर पहुंच गया। सेंसेक्स फर्मों में इंफोसिस, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक सबसे ज्यादा फायदे में दिखे। अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और नेस्ले पिछड़ते नजर आए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 4,662.92 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एशियाई और अमेरिकी बाजारों का हाल

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे गिरा

अमेरिकी संघीय अदालत की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक पारस्परिक टैरिफ आदेश को रोकने करने के बाद अमेरिकी मुद्रा में मजबूती आने से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 7 पैसे गिरकर 85.45 पर आ गया। इससे वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के समाप्त होने की उम्मीद बढ़ गई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू इकाई 85.56 पर खुली और शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 85.45 पर कारोबार करने के लिए कुछ बढ़त हासिल की, जो पिछले बंद से 7 पैसे कम है। बुधवार को स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 2 पैसे बढ़कर 85.38 पर बंद हुई।

प्लेऑफ में जब-जब कोहली ने 30+ रन बनाए, RCB की टीम हारी, 15 पारियों में दो अर्धशतक

नई दिल्ली आईपीएल 2025 में आज क्वालिफायर–1 में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु का सामना पंजाब किंग्स से होगा। यह मैच मुल्लांपुर में शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा। इस मैच में सभी की नजरें इन फॉर्म दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली पर होंगी, जो इस सीजन अब तक रनों का पहाड़ लगा चुके हैं। कोहली उन चुनिंदा पांच बल्लेबाजों में शामिल हैं, जिन्होंने इस सीजन 600 से ज्यादा रन बनाए हैं। अब उनके पास कुछ और बड़ी पारी खेल टीम को पहली बार खिताब जीतने में मदद करने का मौका है। आज अगर उनकी टीम जीतती है तो सीधे फाइनल में पहुंचेगी। कोहली इससे पहले भी कई बार आरसीबी टीम के साथ प्लेऑफ और फाइनल में खेल चुके हैं, लेकिन कभी उनकी टीम खिताब नहीं जीत पाई। एक और बात जो इस समीकरण को दिलचस्प बनाती है वह यह है कि प्लेऑफ में जब–जब विराट कोहली ने 30 से ज्यादा रन बनाए हैं, उनकी टीम हारी है।

आइए जानते हैं विराट कोहली के प्लेऑफ में आंकड़े कैसे हैं...

प्लेऑफ में कोहली ने 15 मैच खेले

दरअसल, विराट ने आईपीएल प्लेऑफ में आरसीबी के साथ 15 मैच खेले हैं। इसकी 15 पारियों में उन्होंने 341 रन बनाए हैं। इसमें सिर्फ दो 50+ के स्कोर हैं। अब इसे आप इत्तेफाक कहिए या संयोग लेकिन उन्होंने जब जब 30 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं, उनकी टीम को हार मिली है। ऐसा कुल मिलाकर पांच प्लेऑफ मैचों में हुआ है। इनमें दोनों अर्धशतक वाले मैच भी शामिल हैं। विराट की आरसीबी प्लेऑफ में 15 मैचों में सिर्फ पांच मैच जीत सकी है, जबकि 10 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। विराट प्लेऑफ में छह बार दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके हैं और इसमें एक बिना खाता खोले आउट होना भी शामिल है। कोहली की टीम आरसीबी प्लेऑफ में जिन मैचों में जीती है, उनमें 2009 में सीएसके के खिलाफ, 2011 में मुंबई के खिलाफ, 2015 में राजस्थान के खिलाफ, 2016 में गुजरात लायंस के खिलाफ और 2022 में लखनऊ के खिलाफ मुकाबले शामिल हैं।

कोहली और सॉल्ट पर टिकी उम्मीदें

हालांकि, इस साल कोहली इस इत्तेफाक को पीछे छोड़ अपनी टीम के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे और टीम को फाइनल का सीधा टिकट दिलाना चाहेंगे। टीम की उम्मीदें उन पर और फिल सॉल्ट की ओपनिंग जोड़ी पर टिकी हैं। अगर यह ऊपर से रन नहीं बनाते हैं तो मध्यक्रम पर दबाव आएगा और हमने कई बार आरसीबी को दबाव में बिखरते देखा है। आरसीबी के लिए 9000+ रन बना चुके विराट कोहली पर काफी भार होगा और वह इस बार अपनी टीम को ट्रॉफी के करीब ले जाना चाहेंगे। कोहली के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा रन के अलावा सबसे ज्यादा बाउंड्रीज और शतक–अर्धशतक भी हैं। अगर उनका बल्ला चलता है तो पंजाब को क्वालिफायर–दो खेलना पड़ सकता है।

कोहली तीन फाइनल भी खेल चुके

कोहली तीन फाइनल भी खेल चुके हैं। 2009 में फाइनल में उनके बल्ले से महज सात रन, 2011 में फाइनल में उनके बल्ले से आठ रन और 2016 में उनके बल्ले से 54 रन निकले थे। वहीं, कोहली क्वालिफायर–1 में दो बार खेले हैं। 2011 में चेन्नई के खिलाफ उन्होंने 44 गेंद में 70 रन की नाबाद पारी खेली थी, जबकि 2016 में गुजरात लायंस के खिलाफ उन्होंने खाता नहीं खोला था। 2011 क्वालिफायर–1 वाला मुकाबला आरसीबी की टीम हार गई थी, जबकि 2016 में गुजरात के खिलाफ मुकाबला आरसीबी की टीम जीत गई थी।

द. अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाड़ी भिड़े, मैदान पर ही शुरू हुई हाथापाई, अंपायर ने इस तरह किया बीच बचाव

ढाका। ढाका में बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के बीच एमर्जिंग टीम के चार दिवसीय मैच के दौरान मैदान पर ही हाथापाई शुरू हो गई। बांग्लादेश के बल्लेबाज और दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज के बीच भिड़ंत फिर बद से बदतर हो गई और दोनों एक दूसरे पर हाथ उठाते दिखे। हालांकि, अंत में अंपायर और बाकी खिलाड़ियों ने बीच बचाव कर दोनों को अलग किया। यह घटना बांग्लादेश के 22 वर्षीय बल्लेबाज रिपोन मंडल और 29 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज शेपो एंतुली के बीच बहस के बाद शुरू हुई। इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन दोनों खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इस मामले में अंपायर जल्द ही एक आधिकारिक रिपोर्ट दायर कर सकते हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, रिपोन ने शुरू में एंतुली की गेंद पर छक्का जड़ा था। इसके बाद एंतुली से उनकी कोल्ड वॉर शुरू हुई। दोनों काफी देर तक एक दूसरे को घूरते दिखे। हालांकि, इसके बाद जैसे ही रिपोन नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े अपने साथी की ओर बढ़े, एंतुली ने बांग्लादेशी बल्लेबाज को कुछ कहना शुरू किया। इसके बाद दोनों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई और फिर लड़ाई गंभीर हो गई। हाथापाई हुई एंतुली ने रिपोन के हेलमेट खींचने की कोशिश की। इस पर रिपोन ने बल्ला दिखाया। अंपायर कमरुज्जमान ने एंतुली को रोकने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद एंतुली ने कई मौकों पर रिपोन का हेलमेट खींचा। फिर बाकी खिलाड़ी आए और उन्होंने दोनों को दूर किया। यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों के बीच किस बात को लेकर बहस हुई और क्या बातचीत हुई। इस घटना के तीन गेंद बाद, एंतुली ने फॉलो थ्रू में गेंद रोकने के बाद गेंद को रिपोन की ओर फेंका, जिसे बांग्लादेशी बल्लेबाजी ने रोक दिया। ईएसपीएनक्रिकइंफो ने मैच के दौरान कमेंट्री कर रहे नाबिल कैसर के हवाले से कहा, श्यह अस्वीकार्य है। आम तौर पर हम क्रिकेट के मैदान पर मौखिक तकरार देखते हैं और इस तरह धक्का मुक्की नहीं देखते। एंतुली ने रिपोन के हेलमेट को पकड़कर उन्हें खींचने की भी कोशिश की।

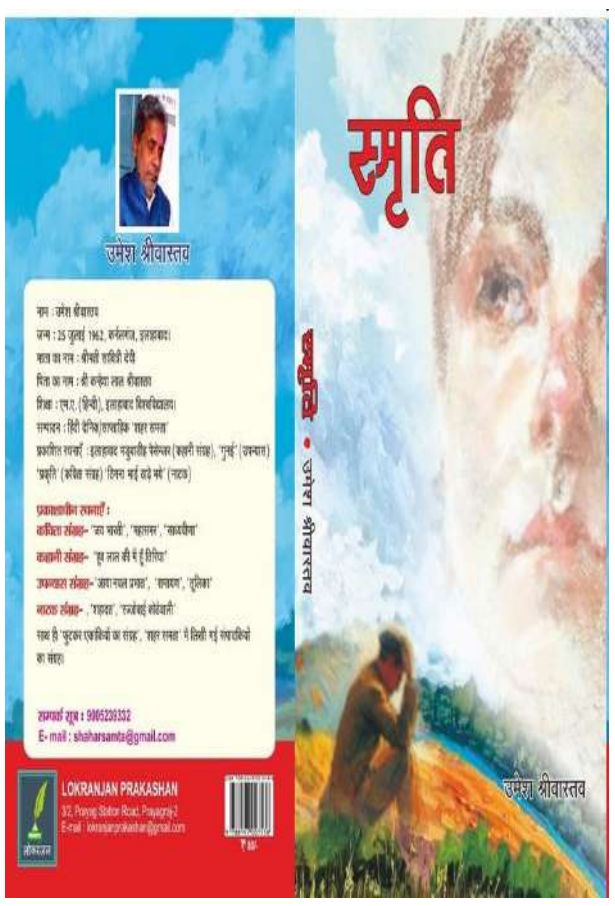

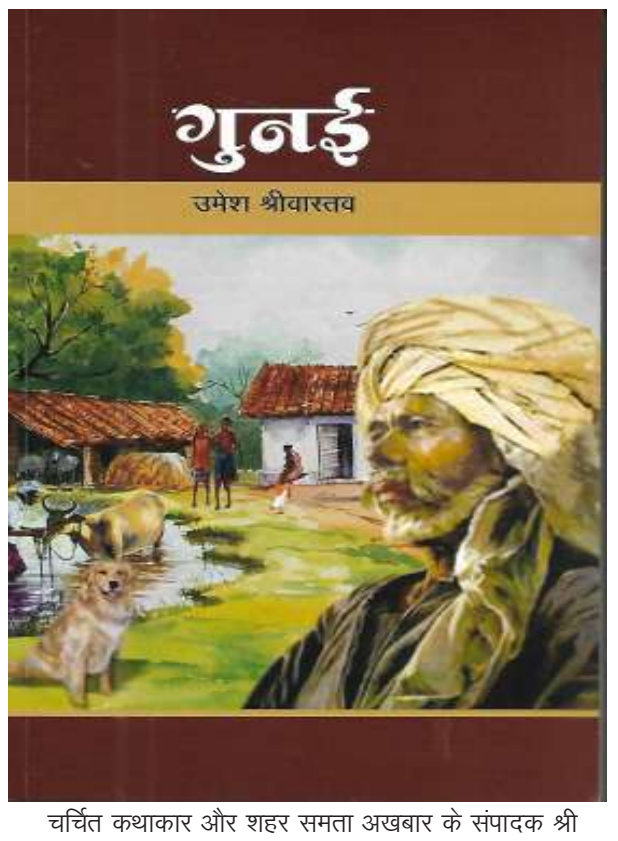

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

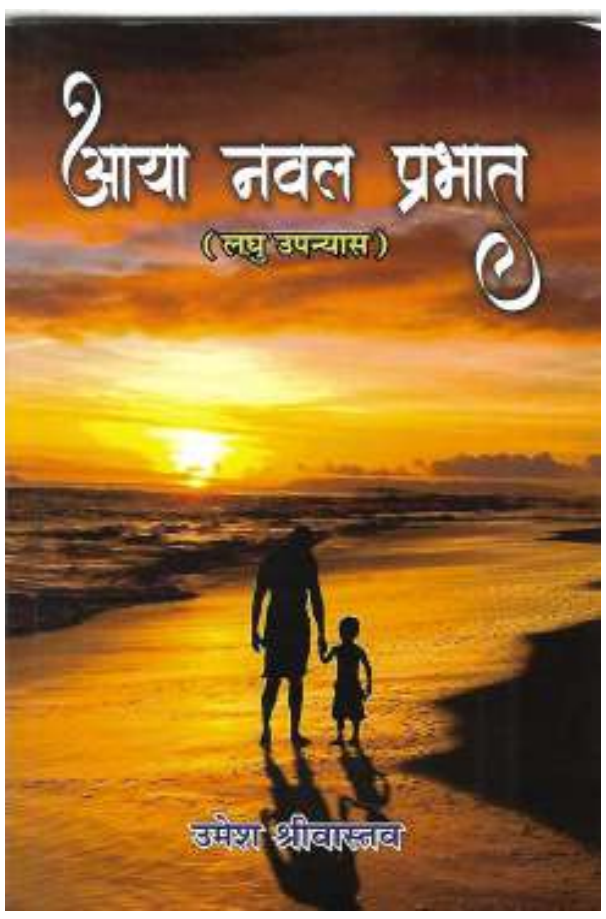

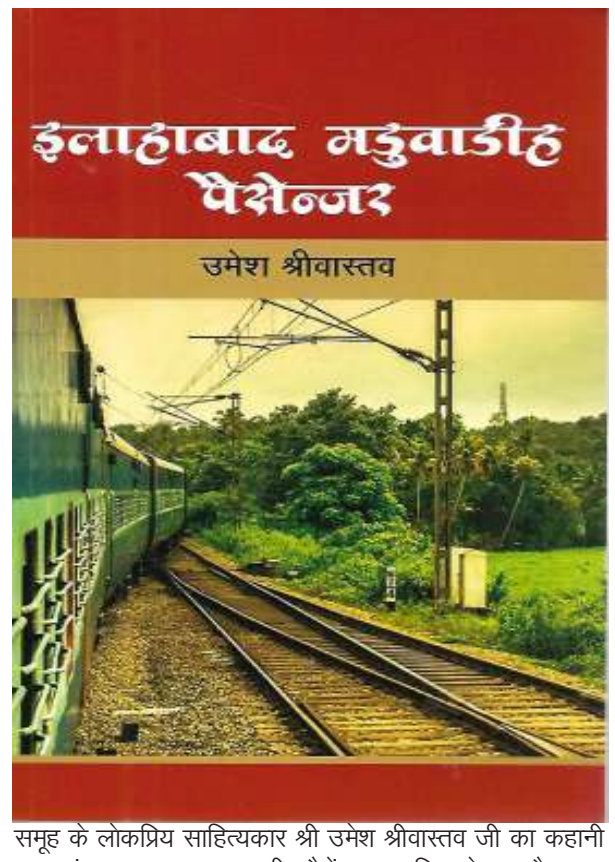

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

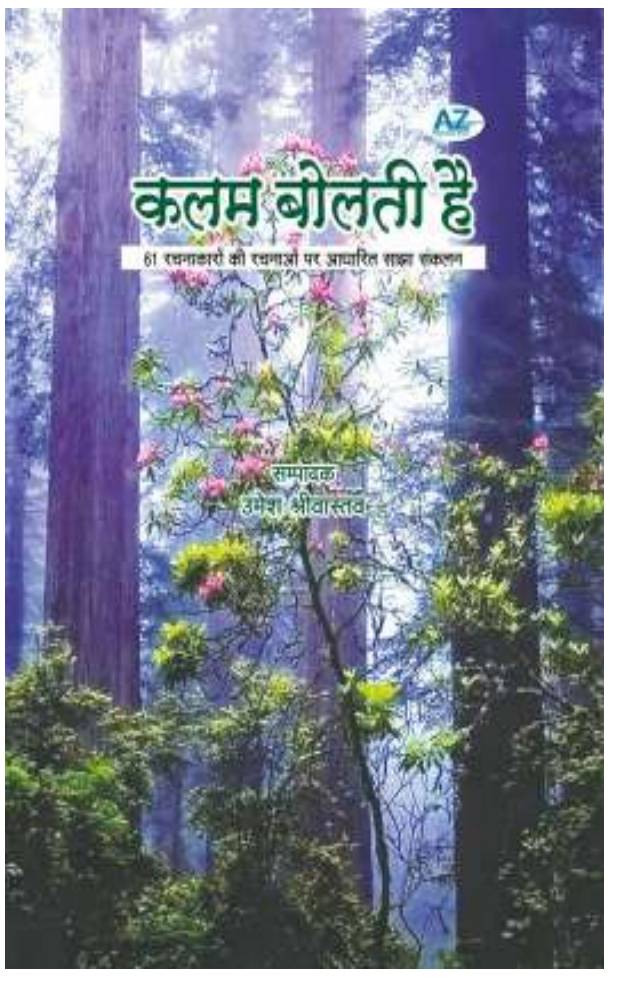

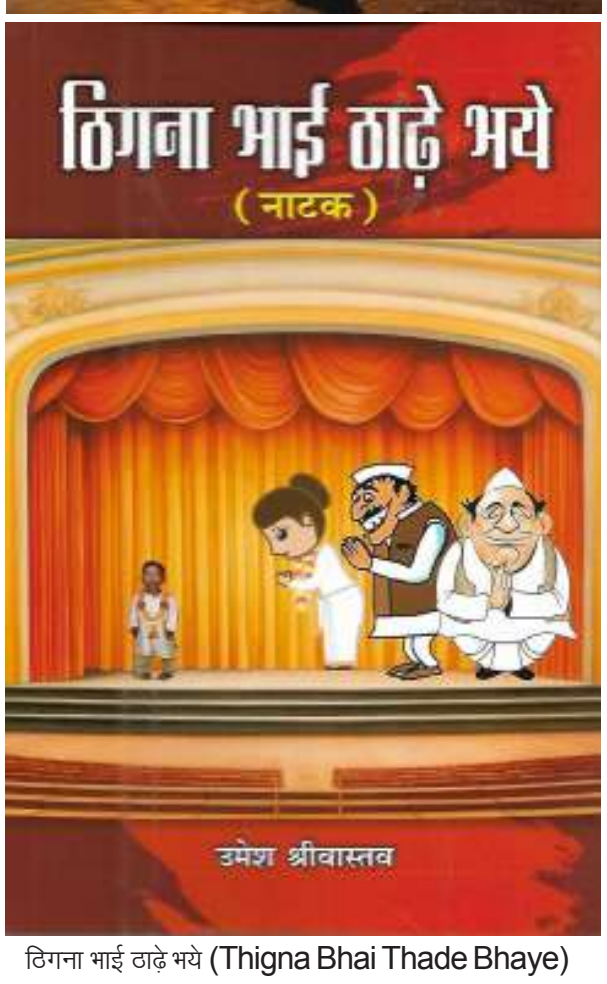

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

दक्षिण कोरियाई नौसेना का गश्ती विमान देश के दक्षिणी क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त

दक्षिण कोरियाई नौसेना का एक विमान बृहस्पतिवार को एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में चार लोग सवार थे,लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि दुर्घटना में कोई हताहत हुआ है या नहीं। नौसना ने यह जानकारी दी। नौसेना ने एक बयान में कहा कि यह गश्ती विमान दक्षिण–पूर्वी शहर पोहांग स्थित अपने बेस से दोपहर एक बजकर 43 मिनट पर रवाना हुआ था, लेकिन अज्ञात कारण से यह जमीन पर गिर गया। बयान में कहा गया है कि नौसेना विमान में सवार चारों लोगों की स्थिति और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पोहांग स्थित एक आपातकालीन कार्यालय ने बताया कि स्थानीय निवासियों से एक उड़ती हुई वस्तु के गिरने और धमाके की आवाज की सूचना मिलने के बाद मौके पर बचावकर्मियों और दमकल गाड़ियों को भेजा गया था। पोहांग के नामबू पुलिस थाने ने पुष्टि की कि नौसेना का एक गश्ती विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, लेकिन यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया कि इसमें कोई मौत या घायल हुई है या नहीं।

वेस्ट बैंक में 22 नयी यहूदी बस्तियां बसाएंगे : इजराइल

इजराइल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 22 नयी यहूदी बस्तियां बसाएगा। इनमें नयी बस्तियां बसाना और बिना सरकारी अनुमति के पहले से निर्मित बस्तियों

को वैध बनाना शामिल होगा। इजराइल ने 1967 के पश्चिम एशिया युद्ध में वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया था और फलस्तीनी चाहते हैं कि यह उनके भावी राष्ट्र का मुख्य हिस्सा बने।

सनम तेरी कसम एक्ट्रेस मावरा को देख डोल गई पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ की नीयत?

2023 का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अभिनेत्री मावरा होकेन को पुरस्कार देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में दिखाया गया है कि पुरस्कार देने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने अभिनेत्री की तरफ कैसे देखा। यह कार्यक्रम पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गवर्नर हाउस पंजाब में आयोजित किया जा रहा था। यह वीडियो भारत और पाकिस्तान के हालिया तनावपूर्ण संबंधों के बाद फिर से वायरल होने लगा है। बता दें कि पाकिस्तानी सेना द्वारा आतंकवादियों को समर्थन दिए जाने के कारण दोनों देश युद्ध के

कगार पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के यून्यूज टीवी ने अपने यूट्यूब और वेबसाइट पर इस वीडियो को पोस्ट करते हुए इसके कैप्शन में लिखा है कि शाहबाज शरीफ ने पुरस्कार देते समय मावरा होकेन को डीप–स्कैन किया और ये वीडियो वायरल हो गया। अब, लगभग दो साल बाद, यह क्लिप फिर से सुर्खियों में आ गई है। वीडियो में दिखाया गया है कि होकेन शहबाज शरीफ से पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं और उसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अभिनेत्री को निहारते हुए कैप्चर कर लिया गया। पाकिस्तानी समाचार एजेंसी ने इसके लिए डीप–स्कैनिंग टर्म का इस्तेमाल किया। बता दें कि मावरा होकेन एक प्रसिद्ध महिला स्टार हैं जो अपने आकर्षक रूप और ऑन–स्क्रीन आकर्षण के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने मीम्स साझा किए और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के व्यवहार का मजाक उड़ाया। सनम तेरी कसम (2016) से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली मावरा होकेन हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच विवादों के केंद्र में आ गई हैं। भारत के ऑपरेशन सिंदूर की सार्वजनिक आलोचना के बाद, उनके सह–कलाकार हर्षवर्धन राणे ने घोषणा की कि अगर होकेन इसमें शामिल होतीं तो वे फिल्म के सीक्वल में काम नहीं करते।

ट्रंप को बड़ा झटका, 'लिबरेशन डे' टैरिफ पर अमेरिकी कोर्ट ने लगाई रोक

अमेरिका की एक संघीय व्यापार अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आयातित वस्तुओं पर नए टैरिफ लगाने से रोक दिया है और कहा है कि उन्होंने कानून द्वारा उन्हें दी गई शक्तियों का अतिक्रमण किया है। मामला 2 अप्रैल को ट्रम्प द्वारा घोषित टैरिफ के बारे में था। इन टैरिफ में ज़्यादातर आयातों पर 10: कर जोड़ा जाता, साथ ही चीन और यूरोपीय संघ से आने वाले सामानों पर और भी ज़्यादा कर लगाया जाता। उन्होंने इस योजना को लिबरेशन डे बताया था। हालांकि बाद में उन्होंने अन्य देशों के साथ सौदे करने की कोशिश करते हुए कुछ हाई टैरिफ को होल्ड कर दिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

बिल से बाहर निकला पहलगाम का मास्टरमाइंड कसूरी, रैली में कहा-

अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर हो गया

पहलगाम आतंकी हमले के पीछे कथित मास्टरमाइंड लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) कमांडर सैफुल्लाह कसूरी फिर से सार्वजनिक रूप से सामने आया। उसने एक राजनीतिक रैली में पाकिस्तानी राजनीतिक नेताओं और अन्य वांछित आतंकवादियों के साथ स्टेज शेयर साझा किया। पाकिस्तान के परमाणु परीक्षणों के वार्षिक स्मरणोत्सव यौम–ए–तकबीर के अवसर पर पाकिस्तान मरकज़ी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) द्वारा आयोजित इस रैली में भड़काऊ भाषण और भारत विरोधी नारे लगाए गए। उपस्थित लोगों में लश्कर के संस्थापक हाफ़िज़ सईद का बेटा और भारत द्वारा घोषित आतंकवादी तल्हा सईद भी शामिल था। कसूरी ने पंजाब प्रांत के कसूर में आयोजित रैली में कहा कि मुझे पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया गया, अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर है। माना जाता है कि उसने पहलगाम के खूबसूरत बैसरन मैदान पर क्रूर हमले का समन्वय किया था, जहाँ पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा के प्रतिनिधि द रेजिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों ने 26 लोगों को गोली मार दी थी, जिनमें ज़्यादातर हिंदू पुरुष थे। भीड़ को संबोधित करते हुए, कसूरी ने इलाहाबाद में "मुदस्सिर शहीद" के नाम पर एक केंद्र, सड़क और अस्पताल बनाने की योजना की घोषणा की। खुफिया

सूत्रों के अनुसार, मुदस्सिर अहमद पहलगाम नरसंहार के बाद भारत के जवाबी ऑपरेशन सिंदूर हमलों में मारे गए कई हाई–प्रोफाइल आतंकवादी गुर्गों में से एक था। रैली में भारत की सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों की सूची में 32वें स्थान पर मौजूद तल्हा सईद ने जिहादी नारों और "नारा–ए–तकबीर" से भरा एक उग्र भाषण दिया। सईद पाकिस्तान के 2024 के आम चुनावों में लाहौर की छ।–122 सीट से संसद के लिए चुनाव लड़ा था। लेकिन उसे हार मिली थी। उसने पीएमएमएल के साथ अपना सार्वजनिक जुड़ाव जारी रखा है, जिसे व्यापक रूप से प्रतिबंधित स्मज के राजनीतिक मोर्चे के रूप में माना जाता है। पीएमएमएल ने हाल के हफ्तों में भारत विरोधी बयानबाजी तेज कर दी है, प्रमुख पाकिस्तानी शहरों–लाहौर, कराची, इस्लामाबाद, फैसलाबाद और अन्य में विरोध प्रदर्शन किए हैं – हाफिज सईद की रिहाई की मांग की और सिंधु जल संधि को निलंबित करने के लिए भारत पर "जल आक्रामकता" का आरोप लगाया। लश्कर–ए–तैयबा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और पाकिस्तान के भीतर प्रतिबंधित है, पीएमएमएल जैसे समूहों ने इसके नेतृत्व को राजनीतिक और वैचारिक प्रासंगिकता बनाए रखने में सक्षम बनाया है। 2008 के मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड, संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी हाफ़िज़ सईद को अभी भी पीएमएमएल की गतिविधियों के पीछे वैचारिक शक्ति के रूप में देखा जाता है।

अमेरिका की संघीय अदालत ने आयात पर भारी शुल्क लगाने के ट्रंप के आदेश पर रोक लगाई

अमेरिका की एक संघीय अदालत ने आपातकालीन शक्तियां कानून के तहत आयात पर भारी शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर बुधवार को रोक लगा दी। इससे ट्रंप की उन आर्थिक नीतियों को लेकर संदेह पैदा हो गया है, जिन्होंने वैश्विक वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है। इन नीतियों ने व्यापार साझेदारों को निराश किया है और मुद्रास्फीति बढ़ने व अर्थव्यवस्था में मंदी आने की व्यापक आशंकाएं पैदा हो गई हैं। न्यूयॉर्क में स्थित अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने यह फैसला सुनाया है। इससे पहले इस संबंध में दायर कई मुकदमों में दलील दी गई थी कि ट्रंप अपने अधिकार का दुरुपयोग करके मनमर्जी से देश की व्यापार नीति तय कर रहे

हैं। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि शुल्क लगाने से निर्माता फैक्ट्रियां अमेरिका वापस लाने के लिए मजबूर होंगे, जिससे अमेरिकी लोगों के लिए रोजगार के अवसर पढ़ेंगे। ट्रंप का कहना है कि इससे संघीय बजट घाटे को कम करने के लिए पर्याप्त राजस्व हासिल होगा। तीन न्यायाधीशों ने मामले पर सुनवाई की। इनमें ट्रंप द्वारा नियुक्त टिमोथी रीफ, पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन द्वारा नियुक्त जेन रेस्टानी और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा नियुक्त गैरी कैट्जमैन शामिल हैं। अदालत ने अपने फैसले में लिखा, "राष्ट्रपति ने आईईईपीए द्वारा मिले अपने अधिकार से आगे जाकर विश्वव्यापी और जवाबी शुल्क लगाने का आदेश दिया है।" उन्होंने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। यह मामला अमेरिकी अंतराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में दायर किया गया था, जो एक संघीय न्यायालय है। यह अदालत विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून से संबंधित सिविल मुकदमों की सुनवाई करती है। हालांकि शुल्क को लेकर आमतौर पर संसद की मंजूरी की आवश्यकता होती है, लेकिन ट्रंप ने कहा है कि उनके पास व्यापार घाटे को दूर करने के लिए कार्रवाई करने की शक्ति है। शुल्क लगाने के ट्रंप के आदेश के खिलाफ कम से कम सात मुकदमे दायर किए गए हैं। ट्रंप ने अमेरिका के विशाल और लंबे समय से चले आ रहे व्यापार घाटे को कम करने के प्रयास के तहत दुनिया के अधिकतर देशों पर शुल्क लगाया है। उन्होंने शुरुआत में कनाडा, चीन और मैक्सिको से आयात पर शुल्क लगाया था।

रूस बोला- एस–400 और ब्रह्मोस का कमाल पूरी दुनिया ने देखा, जल्द ही भारत के साथ रक्षा साझेदारी और गहरी होगी

भारत और रूस आने वाले दिनों में अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने जा रहे हैं। इस बीच, भारत में रूसी राजदूत ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान भारत द्वारा एस–400 प्रणाली और रूस के साथ संयुक्त रूप से निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों का उपयोग किया गया और इनकी प्रदर्शन क्षमता उत्कृष्ट रही। रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने यह भी बताया कि भारत और रूस के बीच एस–400 वायु रक्षा प्रणाली की और इकाइयों की खरीद को लेकर बातचीत "चल रही है" क्योंकि दोनों देश अपनी रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराने का श्रेय एस–400 प्रणाली को दिया गया है। रूसी राजदूत अलीपोव ने एक समाचार एजेंसी को बताया, ष्जहाँ तक हमें जानकारी है, भारत ने स्पष्ट रूप से अपने लक्ष्यों को परिभाषित किया और आतंकवादियों की पहचान करने के बाद कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि हमारे अनुसार, इस अभियान के दौरान एस–400 प्रणाली का उपयोग किया गया और ब्रह्मोस मिसाइलें तैनात की गईं। उन्होंने कहा कि इन हथियारों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हम आपको याद दिला दें कि यह संघर्ष भारत के ष्ऑपरेशन सिंदूरष् के बाद शुरू हुआ था, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया गया था। भारत ने यह स्पष्ट किया था कि उसकी कार्रवाई केवल आतंकवादी ठिकानों पर केंद्रित थी और 7 मई की कार्रवाई कोई उकसावे वाली या युद्धोन्मुखी नहीं थी। लेकिन पाकिस्तान ने तीन दिन बाद भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की शुरुआत की, जिसे भारतीय सेना ने विफल कर दिया। हम आपको बता दें कि भारत और रूस के बीच रक्षा क्षेत्र में दीर्घकालिक और व्यापक सहयोग रहा है। दोनों देश कई द्विपक्षीय परियोजनाओं में साझेदार हैं, जिनमें एस–400 की आपूर्ति, ज–90 टैंकों और ैन–30 डज्ञप का लाइसेंसधारी उत्पादन, डपळ–29 और कामोव हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति, आईएनएस विक्रमादित्य (पूर्व में एडमिरल गोर्शकोव), ।ज्ञ–203 राइफल का भारत में निर्माण और ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, रणनीतिक योजना और सैन्य तैयारियों को देखते हुए भारत निकट भविष्य में और अधिक एस–400 प्रणालियाँ खरीद सकता है। रूसी राजदूत अलीपोव ने पुष्टि की, ष्इस विशेष विषय पर तथा और अन्य कई विषयों पर, हमारी चर्चा चल रही है। यह एक सतत प्रक्रिया है, लेकिन इसके परिणामों के बारे में बात करना मेरे लिए अनुचित और समय से पूर्व होगा।ष उन्होंने यह भी कहा कि रूस श्मेक इन इंडियाश ब्रह्मोस मिसाइलों से ष्बहुत संतुष्टष है, जो भारत–रूस की संयुक्त परियोजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि "हमारे पास एक संयुक्त उद्यम है, जो इन हथियारों को डिजाइन और उत्पादन करता है। इस सहयोग के परिणामों से हम बहुत संतुष्ट हैं। इसका भविष्य बहुत आशाजनक है और हम इस दिशा में विस्तार करना चाहते हैं। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में की गयी कार्रवाई और उसके जवाब में पाकिस्तान की ओर से किये गये हमले के प्रयास के दौरान भारत की वायु रक्षा प्रणाली की पहली परीक्षा हुई जिसमें वह सौ प्रतिशत अंकों से सफल हुई। हम आपको बता दें कि रूस की एस–400 के अलावा स्वदेशी आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली ने भी पाकिस्तानी हमलों से देश को बचाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। वायुसेना के डीजीएमओ एयर मार्शल एके भारती ने कहा था कि भारत की रक्षा प्रणाली ष्एक दीवार की तरह खड़ी रहीष और दुश्मन की घुसपैठ को रोक दिया। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर भारत के आधुनिक सैन्य और रणनीतिक इतिहास का एक निर्णायक क्षण साबित हुआ है, जो सटीकता और प्रतिरोधक क्षमता के साथ ही राष्ट्रीय संप्रभुता और नागरिकों के जीवन की रक्षा का बड़ा उदाहरण बना है। इस ऑपरेशन को ऐतिहासिक बनाने वाली बात सिर्फ़ हमलों का स्तर या सफलता नहीं है, बल्कि इसमें निहित संदेश है कि भारत अब सीमा पार से आतंकवाद को बिलकुल बर्दाश्त नहीं करेगा और नियंत्रित, वैधानिक और रणनीतिक रूप से पूरी शक्ति के साथ इसका जवाब देगा। तेज़ और सटीक कार्रवाई द्वारा भारत आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने, सैन्य खतरों को बेअसर करने और लंबे समय से थमी प्रतिरोधक क्षमता बहाल करने में कामयाब रहा और यह सब व्यापक स्तर पर युद्ध और अपने नागरिकों को हताहतों होने से बचाते हुए किया गया। अपने ठिकानों को बचाने और शक्तिशाली जवाबी हमला करने में पाकिस्तान की विफलता, उसकी तुरंत युद्धविराम की गुहार, क्षेत्रीय शक्ति में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है। भारत ने इस अभियान के जरिये सिर्फ़ सैन्य जीत ही नहीं, युद्ध के नियम भी दुबारा लिख दिये हैं। ऑपरेशन सिंदूर के साथ भारत ने प्रदर्शित कर दिया है कि रणनीतिक संयम का मतलब निष्क्रियता नहीं है और जब उकसावे की कोई कार्रवाई होती है तो वह नपातुला लेकिन ज़बरदस्त जवाबी कार्रवाई कर सकता है और करेगा।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में हमला, एक सैन्य अधिकारी समेत चार सैनिकों को उतारा मौत के घाट

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए हमले में एक सैन्य अधिकारी सहित चार सैनिक मारे गए। घटना बुधवार देर रात हुई, जब आतंकवादियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान जिले के शावल इलाके में सुरक्षा बलों की एक चौकी पर गोलीबारी की। सूत्रों के मुताबिक, हमले में एक लेफ्टिनेंट सहित चार सैनिक मारे गए। सेना के मीडिया सेल इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इसके अलावा प्रांत के मुसाखेल जिले में खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए अभियान में चार आतंकवादी मारे गए। आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने उस समय मार गिराया, जब वे रारा शाम इलाके में एक राजमार्ग पर एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगा रहे थे।

सऊदी अरब को ओवैसी ने बताई पाक की 'वो' करतूत, चौंके सभी मुस्लिम देश

एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भारत के साथ अपने संघर्ष को हिंदू–मुस्लिम मुद्दे के रूप में पेश करने के पाकिस्तान के प्रयासों का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि भारत में 240 मिलियन से अधिक गर्वित मुसलमान रहते हैं और यह देश कई प्रतिष्ठित इस्लामी विद्वानों का घर है। ओवैसी सऊदी अरब में एक बातचीत के दौरान बोल रहे थे, जहां वह वर्तमान में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार की मेगा ग्लोबल आउटरीच पहल में शामिल भारतीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में यात्रा कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने अरब जगत को गलत संदेश दिया

ओवैसी ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान अरब जगत और मुस्लिम जगत को गलत संदेश दे रहा है कि हम एक मुस्लिम देश हैं और भारत नहीं है। भारत में 240 मिलियन गर्वित भारतीय मुसलमान रहते हैं। हमारे इस्लामी विद्वान दुनिया के किसी भी विद्वान से कहीं बेहतर हैं। वे अरबी भाषा में सबसे अच्छी बात बोल सकते हैं। यह पाकिस्तान का

झूठा प्रचार है कि भारत उन्हें इसलिए नुकसान पहुँचा रहा है क्योंकि वे एक मुस्लिम देश हैं। अगर पाकिस्तान इन तकफ़ीरी आतंकवादी समूहों को रोक देता है, तो दक्षिण एशिया में स्थिरता आएगी, दक्षिण एशिया में प्रगति होगी। ओवैसी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 9 मई की घटनाओं की ओर इशारा करते हुए पाकिस्तानी सेना के दुष्प्रचार की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, 9 मई को क्या हुआ? उनके नौ एयरबेस को निशाना बनाया गया। अगर भारत चाहता तो हम उन एयरबेस को पूरी तरह से नष्ट कर सकते थे। लेकिन हम उन्हें आईना दिखाना चाहते थे और कहना चाहते थे, श्हम आपको चेतावनी दे रहे हैं, ऐसा मत करो, हमें उस रास्ते पर जाने के लिए मजबूर मत करो। नौ आतंकवादी संगठन मुख्यालयों को भी निशाना बनाया गया। एक और चौंकाने वाली बात यह थी कि मारे गए आतंकवादियों के लिए नमाज़ का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति एक नामित अमेरिकी आतंकवादी है। बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल ओवैसी ने कहा कि आतंकवादी समूहों की फंडिंग पर लगाम लगाने के लिए पाकिस्तान को थ।ज्थ की ग्रे लिस्ट में वापस लाया जाना चाहिए।

उन्होंने एक तस्वीर की ओर भी इशारा किया जिसमें पाकिस्तान के सेना प्रमुख के बगल में एक अमेरिकी नामित आतंकवादी बैठा हुआ है, और कहा कि यह आतंकवाद से स्पष्ट संबंध दर्शाता है। पाकिस्तान को थ।ज्थ की ग्रे लिस्ट में वापस लाया जाना चाहिए। तभी हम इन सभी आतंकवादी संगठनों के इस आतंकी वित्तपोषण को नियंत्रित करने में सक्षम होंगे।

जब इस व्यक्ति (असीम मुनीर) को पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनाया गया था, तो मोहम्मद एहसान नामक एक अमेरिकी नामित आतंकवादी फील्ड मार्शल के ठीक बगल में बैठा था। इस फील्ड मार्शल के साथ हाथ मिलाते हुए उसकी तस्वीरें हैं। पाकिस्तान की संलिप्तता के स्पष्ट सबूत हैं। ये आतंकवादी समूह वहां फल–फूल रहे हैं, उन्हें वहां प्रशिक्षित किया जा रहा है, और पूरा काम भारत को अस्थिर करना है ताकि भारत में और अधिक हिंदू मुस्लिम दंगे हो सकें।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।